संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 168
पृष्ठ 8
शुक्रवार
07 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए...
विचार- विकास के बरक्स आदिवासी संस्कृति
खेल- अब तक 14 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स...

उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाना हमारा लक्ष्य : मोदी

हर्षिल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाना है, जिसके लिए केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार मिलकर काम कर रही है तथा इस दिशा में कई बड़े फैसले किये गये हैं। उत्तराखंड में भारत तिब्बत अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित उत्तरकाशी जिले के हर्षिल में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां पहुंचे श्री मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "मां गंगा ने मुझे बुलाया है। मुझे लगता है कि मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। ये दशक उत्तराखंड का बन रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं।" प्रधानमंत्री ने गढ़वाली बोली में संबोधन शुरू कर, पिछले सप्ताह माणा गांव में हुए हादसे पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "यहां आप सब अपने

परिवारजनों से मिलकर मैं धन्य हो गया। गंगा के आशीर्वाद से काशी तक पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि जब केदारनाथ गए तो मैं बोल पड़ा था, यह उत्तराखंड का दशक होगा। यह शक्ति बाबा केदार ने दी है। वह भाव सच्चाई में बदल रहा है। जिन संकल्पना को लेकर उत्तराखंड बना था, वह संकल्प आज पूरे हो रहे हैं।" श्री मोदी ने कहा कि अपने टूरिज्म सेक्टर को बारहमासी बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश के जो भी युवा कंटेट क्रिएटर हैं वो 5 मिनट की विंटर टूरिज्म की प्रमोशन की फिल्म बनाएं, जो इसे अच्छे तरीके से बनाए उसे बढ़िया इनाम दिया जाए. साथ ही फिल्म और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड को चुनने की बात कही। अब कोई सीजन ऑफ सीजन नहीं होगा। ऑन सीजन होगा। सर्दियों में होटल, होमस्टे खाली पड़े रहते हैं, इससे आर्थिक असंतुलन हो जाता है। अगर शीत काल के समय आएं तो उत्तराखंड की सही अनुभूति होती

● फिल्मों और डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड को चुनें, यहां अब कोई भी सीजन ऑफ सीजन नहीं: मोदी

है। प्रधानमंत्री ने यूट्यूबर्स इंफ्लूएंसर और सोशल मीडिया पर काम करने वालों की उत्तराखंड के अन्य रमणीक स्थानों की पांच मिनट की फिल्म बनाकर, सबसे अच्छी फिल्म को बड़ा पुरस्कार देने का राज्य सरकार को सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्म बनाने का अवसर देशभर के लोगों को देना चाहिए, ताकि यहां का शीतकालीन पर्यटन और विकसित हो सके। प्रधानमंत्री के उद्‌बोधन से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी जनसभा को संबोधित किया।

राहुल गांधी ने धारावी में चमड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों से मुलाकात की

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को मुंबई में धारावी का दौरा किया और चमड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों से बातचीत की। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य चमड़ा उद्योग के कार्यबल को पेश आने वाली चुनौतियों को समझना था। गांधी ने जिन विनिर्माण इकाइयों का दौरा किया उनमें 'चमार स्टूडियो' भी शामिल है, जिसे सुधीर राजभर ने स्थापित किया है। धारावी दुनिया के सबसे बड़े चमड़ा केंद्रों में से एक है, जिसमें 20,000 से अधिक चमड़ा विनिर्माण इकाइयां हैं, जिनमें एक लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''गांधी ने धारावी में चमड़ा उद्योग के श्रमिकों से बातचीत की और उनके मुद्दों को समझने की कोशिश की। उन्होंने वहां उद्यमियों से भी बातचीत की।'' उनके मुताबिक, दिल्ली से मुंबई पहुंचे गांधी आज राज मुंबई में ही विश्राम करेंगे और शुक्रवार सुबह अहमदाबाद के लिए रवाना होंगे।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार : योगी आदित्यनाथ

● एस्टिमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार हर जरुरतमंद के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन के दौरान उन्होंने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि चिंता न कीजिए, समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं एक महिला ने परिवारीजन के इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई। इस पर योगी ने कहा कि एस्टिमेट मंगा लीजिए, सरकार मदद करेगी। मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर

बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 250 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होने अफसरों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। योगी के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टिमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होने गोरखनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन करने आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली, फिर चॉकलेट–टॉफी प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

जो संभाजी का अपमान करेगा उसे छोड़ेंगे नहीं, औरंगजेब विवाद पर विधानसभा में दहाड़े एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सपा विधायक अबू आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया है। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, ष्महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें निलंबित कर दिया है।ष उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शेगा। यह तो केवल पहला कदम है। उन्हें सिर्फ यह संकेत दिया गया है कि अगर उन्होंने दोबारा ऐसा कुछ किया तो महाराष्ट्र उन्हें माफ नहीं करेगा। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मुगल बादशाह

औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को बुधवार को मौजूदा बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित कर दिया। आजमी की टिप्पणी के खिलाफ बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा में प्रस्ताव लाया गया। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने सदन में कहा कि आजमी के आपत्तिजनक बयान से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है, जिसके चलते इस सत्र के लिए उनकी सदस्यता निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे स्पीकर ने पारित कर दिया। आज़मी ने कथित तौर पर कहा था कि औरंगज़ेब एक क्रूर प्रशासक नहीं था और उसने कई मंदिर बनवाएष। उन्होंने कहा कि मुगल सम्राट और छत्रपति संभाजी महाराज के बीच लड़ाई राज्य प्रशासन के लिए थी, न कि हिंदू और मुस्लिम के बारे में। मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर चल रहे महाराष्ट्र बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित किए जाने पर अबू आजमी ने निराशा व्यक्त की। मुगल बादशाह औरंगजेब पर अपनी टिप्पणी को लेकर चल रहे महाराष्ट्र बजट सत्र की पूरी अवधि के लिए निलंबित किए जाने पर अबू आजमी ने निराशा व्यक्त की।

मैच में मोहम्मद शमी के एनर्जी ड्रिंक पीने पर भड़के मौलाना

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पर एक मुस्लिम मौलवी ने रमजान के पवित्र महीने में श्रोजा नहीं रखनेश को लेकर निशाना साधा है। मौलाना शहाबुद्दीन बरेलवी ने कहा कि शमी ने रोजा न रखकर गुनाह किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि रोज़ा (उपवास) अनिवार्य कर्तव्यों में से एक है। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोज़ा नहीं रखता है, तो वह बड़ा अपराधी है। उन्होंने कहा कि भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ पी लिया। लोग उन्हें देख रहे थे। बरेलवी ने आगे कहा कि अगर वह खेल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्वस्थ हैं। ऐसी हालत में उन्होंने रोज़ा नहीं रखा और पानी भी पी लिया। इससे लोगों में गलत संदेश जाता है। रोज़ा न रखकर उन्होंने गुनाह किया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। शरीयत की नजर में वह अपराधी हैं। उन्हें खुदा को जवाब देना होगा। भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मैच के दौरान शमी का जूस पीते हुए एक क्लिप वायरल हुआ था। विवाद के बावजूद, शमी ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया और अपने पहले सात ओवरों में केवल 27 रन दिए।

वासन्तिक परिचर्चा एवं गीत–गजल की बही फागुनी बयार

प्रयागराज। प्रकृति–संरक्षण एवं साहित्यिक मंच ष्साहित्यांजलि प्रज्योदि तत्त्वावधान में दिनांक 06 मार्च 2025, को सारस्वत सभागार, लूकरगंज में श्वसन्तोत्सवश के अन्तर्गत वासन्तिक परिचर्चा एवं गीत–गजल संगम कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मारूफ शाइर अनवार अब्बास नकवी तथा मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मीशविभाश तथा विशिष्ट अतिथि फरमूद इलाहाबादी एवं उमेश श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम संयोजक तथा संचालन डॉ०प्रदीप चित्रांशी रहे। माँ सरस्वती के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के बाद कवियत्री रचना सक्सेना ने सरस्वती वन्दना सस्वर पढ़ी तत्पश्चात अतिथियों का का वासन्तिक स्वागत रंग–गुलाल एवं टोपी पहना कर किया गया।प्रथम सत्र में अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में अनवार अब्बास ने कहा कि प्रयाग की धरती पर होली या रंगोत्सव शगंगा यमुना तहजीब श की बेमिसाल त्योहार है। यहाँ की होरियारो की टोली का लोकनाथ तक आना, वहाँ का हिस्सा बनना और एक दूसरे का कपड़ा फाड़कर उत्सव मनाना,युवा पीढ़ी में सहनशीलता का बिना कहे ही बीज बो रहा है जो उसके दिल में अंकुरित होकर उसे गंगा जमुनी तहजीब का संवाहक बना, अदब की दुनिया का संवाहक बनाता है। मुख्य अतिथि विजयलक्ष्मीशविभाश ने राम कुमार वर्मा एवं प्रयागराज के कवियों के साथ होली उन पलों को साझा किया जो उन्होनें गुजारे थे। उमेश श्रीवास्तव ने कटरा में होली के अवसर पर डीजे पर झूमते हुए रंग की मस्ती में डूबे होरियारों की टोली के हुडदंग पर प्रकाश डालते हुए उसके अंतस में छिपे उत्सव में सांस्कृतिक, सामाजिक एवं ध

ार्मिकता की त्रिवेणी का दर्शन शब्दों के माध्यम से कराया। फरमूद इलाहाबादी ने दिलों मे मिठास घोलने वाला त्योहार बताया तथा स्वरूपरानी पार्क में होने वाले हास्य कवि–सम्मेलन से श्रोतागण को जोड़ा। डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि होली के मौके पर गाँवों में कीचड़ अर्थात गीली मिट्टी से होली खेलने के पीछे गरीबी नहीं बल्की इसके पीछे अपनी मिट्टी से जुड़े रहने का संदेश है। संजय सक्सेना ने परम्परागत होली की व्याख्या की तो संगीता श्रीवास्तव श्सुमन श ने गुझिया, पापड़ तथा देवरों के संग खेली गई होली पर अपने अनुभवों को बहुत ही करीने से साझा किया।

द्वितीय सत्र में शिवराम गुप्त, श्रीराम मिश्र शतलब जौनपुरी,अनवार अब्बास, ,रचना सक्सेना,सुनील दानिश, राम कैलाश पाल प्रयागी, विजयलक्ष्मीशविभाश उमेश श्रीवास्तव,शरद चन्द्र श्रीवास्तव, संजय सक्सेना ,फरमूद इलाहाबादी, डॉ०प्रदीप चित्रांशी। कार्यक्रम के अन्त में ज्योति चित्रांशी ने आभार व्यक्त किया।

अदालतों से जमानतों के मामलों में लंबी तारीखें देने की अपेक्षा नहीं की जाती : न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि अदालतों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे जमानतों से संबंधित मामलों की लंबी तारीखें दें। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब उन्हें बताया गया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने चिकित्सा आधार पर अस्थायी जमानत की याचिका पर सुनवाई की तारीख दो महीने बाद निर्धारित की है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने इस आधार पर अस्थायी जमानत के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था कि उनके मुवक्किल की दो साल की बेटी को तत्काल सर्जरी की जरूरत है। वकील ने दलील दी कि उच्च न्यायालय ने 21 फरवरी को पारित अपने आदेश में मामले की सुनवाई 22 अप्रैल के लिए स्थगित कर दी थी। पीठ ने कहा, स्वतंत्रता के मामलों में अदालतों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे मामले को इतनी लंबी तारीख तक रोके रखें। साथ ही पीठ ने याचिकाकर्ता को शीघ्र सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय जाने की अनुमति दे दी। पीठ ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह सुनवाई की तारीख जल्दी की तय कर दे और कम से कम याचिकाकर्ता की बेटी के ऑपरेशन को लेकर चिकित्सा आधार पर अस्थायी जमानत देने के संबंध में मामले की सुनवाई करे। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय में जल्दी सुनवाई के लिए आवेदन दायर कर किया था लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति गवई ने पूछा, अब, इस टिप्पणी के साथ, क्या आपको लगता है कि उच्च न्यायालय इसे खारिज कर देगा?

आदेश ताक पर: एडिशनल सीपी ने लिखा था–कभी न लगाएं पुलिस संग ड्यूटी, 10 माह बाद थाने में दे दी होमगार्ड को तैनाती

प्रयागराज। नवाबगंज थाने में तैनात होमगार्ड सिद्धगोपाल त्रिपाठी के लिए एडिशनल पुलिस कमिश्नर पवन कुमार ने लिखा था कि इन्हें किसी भी थाने या कार्यालय में लगाना राजकीय हित में नहीं है।श्श्श्श लेकिन, उन्हें 10 महीने बाद यहीं तैनाती मिल गई। इस होमगार्ड पर रिश्वत लेते दबोचे गए शृंग्वेरपुर चौकी प्रभारी के लिए धन उगाही का गंभीर आरोप था। आखिर होमगार्ड पर ऐसी कृपा किसकी शह पर बरस रही है?

नवाबगंज थाने की शृंग्वेरपुर चौकी के प्रभारी आशीष राय को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते 23 अगस्त 2022 को एंटी करप्शन टीम ने गिरफ्तार किया था। उसने शृंग्वेरपुर के अयोध्या उर्फ जोधालाल सरोज से एक मुकदमे से नाम निकालने के एवज में दोबारा रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि

चौकी प्रभारी के लिए होमगार्ड सिद्धगोपाल त्रिपाठी वसूली करता था। तत्कालीन डीसीपी ने जांच में आरोप सही पाए। उच्चाधिकारियों को भेजी रिपोर्ट में आरोपी होमगार्ड को शीघ्र–अतिशीघ्र गंगानगर जोन से बाहर ड्यूटी लगाए जाने की अपेक्षा की।

इसके बाद तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पवन कुमार ने कमांडेंट होमगार्ड को लिखा कि होमगार्ड के विरुद्ध गंभीर आरोपध्तथ्य प्रकाश में आए हैं। पूर्व में भी गंभीर आरोप लगे हैं। इनका किसी भी थानाध्कार्यालय में ड्यूटी लगाया जाना राजकीय हित में नहीं है। किसी भी दशा में इस होमगार्ड की ड्यूटी किसी अन्य विभाग में लगाना सुनिश्चित करें। सूत्रों का कहना है कि आदेश के बाद होमगार्ड को नवाबगंज थाने से हटा तो दिया गया, लेकिन पवन कुमार का 25 फरवरी 2024 को तबादला होते ही गोटियां सेट होने लगीं। हटाए जाने के 10 महीने बाद ही एक सितंबर 2024 को उसे फिर नवाबगंज थाने में तैनाती दे दी गई। अभी तक वह यहीं तैनात है। सवाल यह है कि एडिशनल पुलिस कमिश्नर के इतने सख्त आदेश के बावजूद किसकी मांग पर उसे पुलिस में तैनाती दे दी गई। क्या एक होमगार्ड के बूते ही थाने की पूरी व्यवस्था चल रही है, जो उसकी तैनाती अपरिहार्य हो गई है? सवाल कई हैं, लेकिन जवाब पर अफसर मौन।

होमगार्ड कमांडेंट बोले, प्रकरण संज्ञान में नहीं

होमगार्ड के जिला कमांडेंट रंजीत सिंह कहते हैं कि यह आदेश 2023 का है और मेरे संज्ञान में नहीं है। 10 महीने बाद तैनाती 2024 में हुई है तो संभवतरू निलंबन के पश्चात बहाली पर ऐसा हुआ होगा। प्रकरण की जानकारी नहीं है। इसका पता लगाएंगे कि आदेश के बावजूद होमगार्ड की दोबारा तैनाती कैसे हुई? गलत तरीके से तैनाती मिली तो नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी। – एन कोलांची, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज

पूर्व एमएलसी वासुदेव के विरुद्ध 1000 से अधिक पन्नों की विजिलेंस ने दाखिल की है चार्जशीट

प्रयागराज। सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव की गिरफ्तारी के बाद कई और अहम तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति का साक्ष्य मिलने पर लगभग 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई थी। सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव की गिरफ्तारी के बाद कई और अहम तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति का साक्ष्य मिलने पर लगभग 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई थी। कोर्ट में हाजिर न होने पर विजिलेंस समेत अन्य थानों की पुलिस ने वासुदेव के घर पर 10 से अधिक चक्कर काटे थे।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में जनवरी 2021 विजिलेंस प्रयागराज ने वासुदेव यादव पर विभिन्न धाराओं केस दर्ज किया था। केस की चार्जशीट तैयार करने में विजिलेंस को लगभग दो वर्ष लग गए। इसके बाद वर्ष 2023 में वाराणसी की एंटी करप्शन

कोर्ट में तकरीबन एक हजार पन्नों का चिट्ठा तैयार कर चार्जशीट फाइल किया। लेकिन, कोर्ट में वासुदेव के हाजिर नहीं होने पर उनको नोटिस और फिर गैर जमानती वारंट जारी किया गया। विजिलेंस के अफसरों के मुताबिक, वासुदेव का जार्ज टाउन के अलावा मूल निवास सोरांव के धोसड़ा में हैं।

कोर्ट से नोटिस और वारंट के बाद थाना जार्ज टाउन, थाना सोरांव और विजिलेंस की टीम 10 से अधिक बार इनके दोनों आवासों पर चक्कर काट चुकी है। लेकिन, हर बार घर बाहर से पुलिस को वापस लौटा दिया जाता रहा है। लेकिन, मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वहीं, बुधवार को इनके घर पर सन्नाटा पसरा रहा। मामले में जब वासुदेव की बेटी निधी यादव से बात की गई तो उन्होंने कुछ बताने से इन्कार कर दिया और कहा कि वह कुछ भी इस संबंध में बात नहीं करना चाहती हैं।

सूत्रों से पता चला है कि वासुदेव के घर पर जब विजिलेंस की टीम पहुंची तो उन्होंने पुलिस की गाड़ी में बैठने से इन्कार कर दिया। वासुदेव का कहना था कि वह अपने निजी वाहन से ही घर से बाहर निकलेंगे। लेकिन, विजिलेंस दबाव बनाया और कहा कि पुलिस की गाड़ी में बैठकर ही यहां से जाना होगा। करीब 15 मिनट के आनाकानी के बाद वह विजिलेंस की गाड़ी में बैठकर जार्ज टाउन थाना रवाना हो गए। जहां मेडिकल कराने के बाद उनको वाराणसी कोर्ट में शाम करीब 4.30 बजे पेश किया गया।

नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है पिंटू महरा, हत्या समेत कई संगीन मुकदमों में जा चुका है जेल

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के दौरान अरैल के जिस पिंटू महरा ने अपने परिवारवालों संग मिलकर 30 करोड़ रुपये कमाए, वह नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं के मुकदमे दर्ज हैं। 2009 में अरैल में हुए जघन्य दोहरे हत्याकांड का भी वह आरोपी है।

महाकुंभ मेले के दौरान अरैल के जिस पिंटू महरा ने अपने परिवारवालों संग मिलकर 30 करोड़ रुपये कमाए, वह नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत कई संगीन धाराओं के मुकदमे दर्ज हैं। 2009 में अरैल में हुए जघन्य दोहरे हत्याकांड का भी वह आरोपी है। उसके दो भाई व पिता भी थाने के हिस्ट्रीशीटर रहे हैं।

पिंटू अरैल निवासी बच्चा महरा का तीसरे नंबर का बेटा है। उसके पिता बच्चा पर कई मुकदमे दर्ज थे और जेल में निरुद्ध रहते हुए इलाज के दौरान उसकी मौत हुई थी। उसका बड़े भाई आनंद महरा का भी आपराधिक रिकॉर्ड था

और कई साल पहले दो अन्य लोगों समेत उसकी यमुना नदी के बीच नाव में हत्या कर दी गई थी। पिंटू से बड़ा अरविंद महरा भी नैनी थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

पिंटू पर एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। इसमें हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा, बमबाजी–फायरिंग समेत अन्य संगीन धाराओं के मुकदमे शामिल हैं। 2009 में नैनी के लोकपुर में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड में भी वह अपने भाई अरविंद व परिवार के दो अन्य युवकों समेत नामजद हुआ और गिरफ्तार कर जेल भी भेजा गया। इसमें अनिरुद्ध उर्फ बर्रू निषाद व उसके छोटे बेटे छगन निषाद को रास्ते में रोककर दो गाड़ियों से आए हमलावरों ने बम–गोलियों से भून दिया था।

इसके बाद 2017 में हत्या के एक और मुकदमे में पिंटू नामजद हुआ। बर्रू हत्याकांड का वादी उसके बेटे गगन निषाद पर 2017 में बम–गोलियों से हमला हुआ। इसमें कुल तीन लोग जख्मी हुए जिनमें से एक की मौत हो गई थी। 28 अगस्त 2022 को उसके खिलाफ दारागंज थाने में एक और मुकदमा दर्ज हुआ। आरोप लगा कि सोनभद्र जेल में रहने के दौरान उसने बर्रू निषाद के परिवार को धमकाकर गवाही अपने पक्ष में करा ली थी। मामले की शिकायत जिला जज को भेजी गई थी। इसके साथ एक ऑडियो भी भेजा गया था।

नाव चलाने के लिए रंगदारी मांगने का आरोप

पिंटू महरा समेत आठ लोगों पर महाकुंभ के दौरान नाविक से रंगदारी मांगने समेत अन्य आरोपों में 11 फरवरी को मेला कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। अरैल निवासी नाविक शनि निषाद ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसके भाई पिंटू निषाद को मारपीट कर घायल कर दिया। धमकाया कि नाव चलाना है तो सभी को पांच–पांच हजार रुपये देने होंगे। वरना जान से मारकर फेंक दिए जाओगे। आरोप यह भी है कि इससे पहले भी आरोपी दोनों भाइयों से आठ हजार रुपये छीन चुके थे।

गंजिया परिवार से चलती है अदावत

नैनी में महरा व गंजिया परिवार की अदावत लंबे समय से चली आ रही है। इसमें कई जानें जा चुकी हैं। इसमें महरा परिवार पर हमले हुए तो पप्पू गंजिया को भी जान से मारने की कोशिशें हुईं। आनंद की हत्या में पप्पू गंजिया का नाम आया तो कई साल पहले गऊघाट में चौतरफा घेरकर पप्पू पर बम–गोलियों से हमला किया गया। जिसमें वह बाल–बाल बच गया था। उधर बर्रू निषाद की हत्या के बाद उसके बेटे गगन से भी महरा परिवार की रंजिश चल रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट सख्तः पूछा– डीजीपी बताएं... किस कानून में लिखा है कि पुलिस आरोपी की जाति पूछेगी

प्रयागराज। (संवाददाता) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि जात–पात पर आधारित पुलिस विवेचना संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक न्याय पर कुठाराघात है। इससे निष्पक्ष विवेचना तो प्रभावित होती ही है, हाशिये पर खड़े समुदायों के प्रति पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार के जोखिमों की चिंताओं को भी बल मिलता है।

किस कानून में लिखा है कि पुलिस आरोपी की जाति पूछेगी? यह सवाल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के डीजीपी से पूछा है। कहा, देश का संविधान जात–पात के भेदभाव को मिटाकर समानता और निष्पक्ष न्याय की बात करता है। सुप्रीम कोर्ट तो जाति–धर्म आधारित दलीलों की भी निंदा करता है। फिर, किस मजबूरी में आरोपियों से उनकी जाति पूछी गई। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की अदालत ने शराब तस्करी के आरोपी प्रवीण छेत्री की ओर से दाखिल अर्जी पर की। याची ने ट्रायल कोर्ट में चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी है।

कहा है, इटावा के जसवंत नगर थाने की पुलिस ने उसे शराब तस्करी गिरोह का सरगना बताकर यादराम, दीपक कुमार सिंह, लोकेश उर्फ लीला व निशा के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उनसे दो कारों में हरियाणा की 360 बोतल प्रतिबंधित शराब जब्त करने का दावा किया था।

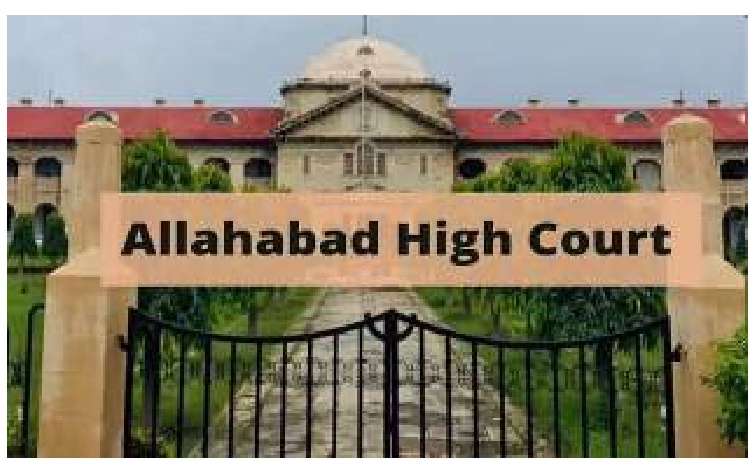

एफआईआर व विवेचना में सभी आरोपियों की जाति लिखी देखकर कोर्ट ने हैरानी जताई। आरोपियों में शामिल दिल्ली निवासी यादराम ने अपनी जाति माली, लोकेश पंजाबी, प्रवीण ने राजपूत, निशा ने ब्राह्मण व बिहार के दीपक ने जाति ठाकुर बताई थी।

आरोपियों की जाति पूछे जाने पर कोर्ट ने यूपी पुलिस को फटकार लगाई।

साथ ही, डीजीपी से 12 मार्च तक व्यक्तिगत हलफनामा तलब कर स्पष्ट करने को कहा कि एफआईआर व जांच में आरोपियों से जाति पूछने की आवश्यकता व प्रासंगिकता किस तरह उचित है।

विद्युत निगम की बड़ी ठेकेदार हैं पिंटू माहरा की मां, महाकुंभ में मिला था दो करोड़ का काम

प्रयागराज। शुकलावती के पति बच्चा महरा उर्फ रामसहारे नैनी थाने के गैंगेस्टर थे। उनकी बीमारी की वजह से 25 जून 2018 को मौत हो गई। परिवार का पुरा खर्च वहीं उठाती हैं। बड़े बेटे आनंद महरा की हत्या के बाद उसके परिवार और बेटियों की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी उसी पर हैं। वर्ष 2003 में पूर्व ज्येष्ट प्रमुख चाका आनंद की हत्या हो गई। नैनी क्षेत्र के अरैल निवासी महाकुंभ के दौरान करोड़ों की कमाई करने वाले पिंटू महरा की मां शुकलावती देवी विद्युत निगम की बड़ी रजिस्टर्ड ठेकेदार हैं और करोड़ों की मालकिन हैं। पिच सड़क पर उसकी डबल स्टोरी मकान है। आगे के हिस्से में परिवार के साथ वह और पीछे हिस्से में पिंटू और उसके सुरक्षा कर्मी रहते हैं। महाकुंभ में विद्युत निगम ने दो करोड़ का काम दिया था। इसके पहले भी वह लाखों का काम कर चुकी हैं।

शुकलावती के पति बच्चा महरा उर्फ रामसहारे नैनी थाने के गैंगेस्टर थे। उनकी बीमारी की वजह से 25 जून 2018 को मौत हो गई। परिवार का पुरा खर्च वहीं उठाती हैं। बड़े बेटे आनंद महरा की हत्या के बाद उसके परिवार और बेटियों की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी उसी पर हैं। वर्ष 2003 में पूर्व ज्येष्ट प्रमुख चाका आनंद की हत्या हो गई। महाकुंभ के दौरान विद्युत निगम का कई टेंडर शुकलावती ने हासिल कर अपने भाई मूलचंद को देखरेख के लिए लगाया है। बतौर शुकलावती उसका परिवार बालू के ठेके से जुड़े थे। लेकिन अब ठेका बंद हो चुका है।

ऐसे में विद्युत के ठेके एवं नावों का संचालन परिवार के लोग करते है। उनका कहना है कि परिवार के पांच से अधिक लोगों की हत्याएं हो चुकी हैं। यह सभी हत्याएं भाजपा के सत्ता में आने से पहले की है। बेटे की हत्या के मामले में उसे धमका कर केस में सुलह समझौता करा दिया गया है। अब केस खोलने की मांग को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री से वह मिलना चाहती हैं। अगर सीएम की तरफ से बुलावा आएगा तो वह मिलने जरूर जाएगी। उसने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद परिवार का मान बढ़ा हैं। लोग बधाई दे रहे हैं।

गंगा किनारे सरकारी भूमि पर पिंटू करता हैं खेती, लाखों की होती कमाई

नाव चलाकर लाखों की कमाई करने वाला पिंटू महरा नदी के किनारे सब्जी की खेती करता हैं। पिछले वर्ष उसने सब्जी उगाकर लाखों की आमदनी किया था। इस वर्ष महाकुंभ की वजह से खेती नहीं कर सका। टेंट आदि हटाएं जाने के बाद सब्जी की खेती करने का प्रयास करेगा।

बिजली विभाग ने 211 करोड़ खर्च कर कमाए 28 करोड़, 45 दिन में 3.20 करोड़ यूनिट से रोशन हुआ महाकुंभ

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में 3.20 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई है। इससे विभाग को नौ रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से लगभग 28.80 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। जबकि, विभाग ने कुल 211.20 करोड़ रुपये खर्च कर मेला को उजाला किया था।

महाकुंभ मेले में 3.20 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई है। इससे विभाग को नौ रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से लगभग 28.80 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। जबकि, विभाग ने कुल 211.20 करोड़ रुपये खर्च कर मेला को उजाला किया था। मेले का 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक आयोजन किया गया। विद्युत विभाग ने बिजली सप्लाई के लिए 54 हजार खंभे लगाए।

इन पर 1405 किलोमीटर एलटी लाइन और 182 किलोमीटर 11 केवी की एचटी लाइन बिछाई गई। 85 सब स्टेशनों से पूरे मेला क्षेत्र को बिजली दी गई। इसके लिए लगभग 4.25 लाख कैंप कनेक्शन बांटे गए थे। इसके चलते रोज 30 मेगावोल्ट एम्पीयर (एमवीए) बिजली खपत का अनुमान था। लेकिन, प्रतिदिन लगभग 27 एमवीए बिजली की खपत हुई। मेला समापन के बाद अब बिजली के तार, एलईडी लाइट्स और ट्रांसफार्मर उतार लिए गए हैं। इन सामानों को महाकुंभ परिसर के पास बने गोदाम में रखा गया है।

व्यावसायिक कनेक्शन के लिए 80 लाख यूनिट खर्च

इस मेला क्षेत्र में एक से लेकर 1600 किलोवोल्ट एम्पीयर (केवीए) तक कनेक्शन दिए गए। इसमें हजारों की संख्या में व्यावसायिक कनेक्शन भी शामिल हैं। विद्युत विभाग के अफसरों ने बताया कि इन कनेक्शनों से लगभग सात करोड़ रुपये की आमदनी हुई है।

शहर में 27.30 करोड़ यूनिट बिजली की खपत

विद्युत विभाग के आंकड़ों के अनुसार मेले के दौरान 45 दिनों में शहर में कुल 27.30 करोड़ यूनिट बिजली की खपत हुई है। इस तरह मेला और शहर में मिलाकर कुल 30.50 करोड़ यूनिट बिजली खर्च हुई है, जो मेले से लगभग 90 फीसदी से अधिक है।

पांच करोड़ यूनिट का था अनुमान

विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता पीके सिंह समेत अन्य अफसरों ने मेले में तकरीबन पांच करोड़ यूनिट तक बिजली खपत होने का अनुमान लगाया था। वहीं, मेला क्षेत्र में बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए सोलर एनर्जी का भी सहारा लिया गया था।

कुल 380.20 करोड़ का प्रोजेक्ट

विद्युत विभाग ने कुल 380.20 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाया था। इसे दो हिस्सों में बांटा गया। पहला मेला क्षेत्र के लिए कुल 211.20 करोड़ और दूसरा शहर के लिए कुल 179 करोड़ का बजट था। प्रोजेक्ट में बिजली घर, स्ट्रीट लाइट, ट्रांसफॉर्मर, केबल आदि की व्यवस्था की गई थी।

परीक्षाएं सिर पर, शिक्षक व अफसर कार्यक्रम कराने में व्यस्त, बजट खपाने की होड़

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) और संघटक महाविद्यालयों में स्नातक की परीक्षाएं 18 मार्च से शुरू होने जा रही हैं। शिक्षक व अफसर सालाना बजट खपाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में व्यस्त हैं। ऐसे में कक्षाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) और संघटक महाविद्यालयों में स्नातक की परीक्षाएं 18 मार्च से शुरू होने जा रही हैं। शिक्षक व अफसर सालाना बजट खपाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में व्यस्त हैं। ऐसे में कक्षाओं का संचालन प्रभावित हो रहा है। महाकुंभ में भीड़ व यातायात प्रतिबंधों के कारण विश्वविद्यालय व संघटक महाविद्यालय कई दिन बंद रहे। इसके एवज में शनिवार के साप्ताहिक अवकाश पर विश्वविद्यालय व कॉलेज खोले गए। लेकिन, यातायात प्रतिबंधों के कारण ज्यादातर छात्र विश्वविद्यालय व कॉलेजों तक नहीं पहुंच सके। महाकुंभ के बाद हालात सामान्य हुए तो सालाना बजट खपाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन का सिलसिला शुरू हो गए, जो थमने का नाम नहीं ले रहा। छात्रों का कहना है कि उनका कोर्स अधूरा है। जब अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन होना चाहिए, तब शिक्षक व अफसर कार्यक्रमों के आयोजन में व्यस्त हैं। सेमिनार, संगोष्ठी, कार्यशालाएं लगातार हो रही हैं। ज्यादातर कॉलेजों में एनएसएस के विशेष शिविरों का आयोजन भी शुरू हो गया है। इससे छात्र–छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा। इविवि के विधि संकाय में आठ व नौ मार्च को मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। जबकि, 18 मार्च से बीएएलएलबी, एलएलबी व एलएलएम की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। आयोजन से बीएएलएलबी व एलएलबी के ज्यादातर छात्र जुड़े हैं। उन्हें व्यवस्थाओं में भी लगाया जाएगा, जिसकी वजह से पढ़ाई प्रभावित होगी। वहीं, बीए, बीकॉम व बीएससी की वार्षिक परीक्षाएं भी 18 मार्च से शुरू होने जा रही हैं।

मेला कोतवाली में दर्ज 471 केस कमिश्नरेट के थानों में ट्रांसफर, अधिकतर मामले मोबाइल चोरी के

प्रयागराज। मेला कोतवाली में दर्ज 471 मुकदमों की विवेचना बुधवार को कमिश्नरेट पुलिस के हवाले कर दी गई। यह सभी मुकदमे कीडगंज, दारागंज व झूंसी थाने में ट्रांसफर कर दिए गए। अब विवेचना, गिरफ्तारी व बरामदगी की कार्रवाई संबंधित थानों की पुलिस करेगी। मेला कोतवाली में दर्ज 471 मुकदमों की विवेचना बुधवार को कमिश्नरेट पुलिस के हवाले कर दी गई। यह सभी मुकदमे कीडगंज, दारागंज व झूंसी थाने में ट्रांसफर कर दिए गए। अब विवेचना, गिरफ्तारी व बरामदगी की कार्रवाई संबंधित थानों की पुलिस करेगी। महाकुंभ मेला क्षेत्र में हुई आपराधिक घटनाओं की एफआईआर मेला कोतवाली में दर्ज की गई। यूं तो वहां कुल 56 थाने बनाए गए। हालांकि, एफआईआर केवल मेला कोतवाली थाने में दर्ज की गई। चार मार्च तक यहां 471 एफआईआर दर्ज की गई। यह आंकड़ा 31 दिसंबर से लेकर 27 फरवरी तक का है। इनमें से 90 फीसदी मामले मोबाइल चोरी के हैं। खास बात यह की चोरी गए मोबाइल में दर्जनभर आईफोन हैं। डीआईजी मेला वैभव कृष्ण ने बताया कि मुकदमे ट्रांसफर करने की कार्रवाई शुरू हो गई है। मेला कोतवाली में दर्ज मामलों में चोरी की सबसे ज्यादा घटनाएं संगम घाट पर हुईं। यहां स्नान करने के दौरान श्रद्धालुओं के मोबाइल, पर्स आदि चुरा लिए गए। इसके बाद संगम घाट से त्रिवेणी मार्ग यानी वापसी वाले रास्ते पर चोरी की घटनाएं हुईं। साथ ही हनुमान मंदिर व त्रिवेणी रैंप के पास भी सामान चोरी का मामला सामने आया।

विदेशी श्रद्धालु भी हुए शिकार

चोर गिरोह की ओर से शिकार बनाए गए लोगों में देश के ही नहीं बल्कि विदेश से आने वाले श्रद्धालु पर्यटक भी रहे। ओमान से आईं दीप्ति वापोद्रा का पर्स 13 जनवरी को संगम घाट पर चोरी हो गया। जिसमें उनका मस्कट का आईडी कार्ड व आधार भी रखा था। इसी तरह 14 जनवरी को यूएसए से आए पॉल माइकल बुचानन का बैग अरैल में चोरी हो गया। इसमें 1700 यूएस डॉलर, डेबिट–क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट, लेंस के साथ ही डीएसएलआर कैमरा भी रखा था। अरैल घाट पर ही 29 जनवरी को रूस से आए कुर्सिन निकोले का पासपोर्ट, कपड़े व नकदी से भरा बैग चोरी कर लिया गया। मेला कोतवाली में दर्ज हुई 444 एफआईआर में से एक मामले की विवेचना पूरी की जा सकी। यह मामला सोशल मीडिया पर महाकुंभ में एक हजार लोगों को मारने की धमकी देने से संबंधित था। यह धमकी नसर पठान के नाम से बने इंस्टाग्राम अकांउट से दी गई।

चयन के लिए देवबंद शहर में 9 मार्च को शिविर आयोजित

मुजफ्फरनगर। पैरा–वॉलीबाल एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश 9 मार्च को नेशनल कोचिंग शिविर के लिए पुरुष और महिला स्टेट टीम के चयन के लिए देवबंद शहर में शिविर आयोजित कर रहा है। इस चयन शिविर के माध्यम से खिलाड़ियों का चयन आगामी 13वीं पुरुष एवं महिला नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चौंपियनशिप 2025, इरोड, तमिल नाडु के लिए किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 21 से 23 मार्च तक खेली जाएगी। ऑर्थोपेड दिव्यंग या 40: से अधिक दिव्यंग जन इस शिविर मे भाग ले सकते हैं, जहां उनको जिला सी.एम.ओ. से प्रमाणित दिव्यंग प्रमाण पत्र लाना होगा। यह शिविर केवल उत्तर प्रदेश के निवासियों के लिए ही आयोजित की जा रही है। इस शिविर और टीम की अध्यक्षता अध्यक्ष आदित्य गर्ग और महासचिव डॉ हिमांशु कुमार कर रहें हैं।

समय और स्थान – 9 मार्च 2025 को सुबह 9 बजे विष्णु मेमोरियल पब्लिक स्कूल, मंगलौर चौकी, देवबंद, जिला सहारनपुर नंबर –. 91–8006199441, नोट – प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता प्रदान नही किया जाएगा।

नाई के साथ मारपीट कर दुकान में की तोड़फोड़

मोरना। योगेन्द्र नगर मे नाई की दुकान मे घुसकर तोड़फोड़ की गयी व संचालक के साथ मारपीट की घटना से रोष व्याप्त हो गया। पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा जताते हुए कार्रवाई की गुहार पुलिस लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव योगेन्द्र नगर निवासी राजेंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि वह गांव स्थित अपनी दुकान पर बाल काट रहा था। तभी गांव निवासी चार आरोपियों ने दुकान में घुसकर गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की व दुकान मे तोड़फोड़ करते हुए कीमती सामान को तोड़ दिया। उपस्थित ग्रामीणों ने आरोपियों से उसकी जान बचाई दबंग आरोपियों ने ग्रामीणों के साथ भी गाली–गलौज की पीड़ित ने एक आरोपी पर तमंचा दिखाते हुए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग है।वहीं घटना को लेकर रोष व्याप्त है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

मुजफ्फरनगर। गत वर्षो की भांति समर्पित महिला शक्ति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक रक्तदान शिविर, हीमोग्लोबिन जांच शिविर एवं नेत्रदान पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ळ ट पब्लिक स्कूल नई मंडी में 8.3.205 को प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 2रू30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर संयोजक अंशु भाटिया ने बताया की महिलाएं भी पुरुषों की भांति रक्तिम के क्षेत्र में आगे आ रही हैं और इसी दिशा में एक कदम और बढ़ते हुए समर्पित महिला शक्ति द्वारा इस रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मनी पटपटिया ने 18 वर्ष से 60 वर्ष के सभी स्वस्थ महिलाओं एवं पुरुषों से इस शिविर में आकर रक्तदान करने का आवाह्न किया है।

मटकी सज्जा का किया आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज दिनांक 6 मार्च 25 को शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेरठ में छात्राओं द्वारा मटकी सज्जा की प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम का

आयोजन डॉ कुमकुम एवं डॉ गौरी ने करवाया, प्राचार्य प्रो अंजू सिंह छात्राओं के प्रदर्शन की सराहना की। मटकी सज्जा में प्रथम स्थान आफिया (बी एस सी ।।।) द्वितीय स्थान लवी एवम् शशि (बी एस सी ।।।) तथा तृतीय स्थान जबरिया (बी ए ।) ने प्राप्त किया।

विभिन्न मांग को लेकर भाकियू ने मोरना मिल मे दिया धरना

मोरना। किसानों को सुविधा न देने से नाराज भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने मोरना चीनी मिल मे अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया व मांगो को पूरा करने को लेकर गन्ना अधिकारी को अपने बीच बैठा लिया।व जमकर नारेबाजी की। मोरना चीनी मिल मे धरनारत भाकियू ब्लॉक् अध्यक्ष चौधरी अनुज राठी ने बताया की मोरना चीनी मिल द्वारा किसानो को पेस्टीसाइड पर कोई छूट नहीं दी जा रही है। मिल द्वारा फर्जी तरीके

से 1200 रूपये प्रति क्विंटल गन्ने के बीज को बेंचा जा रहा है।किसानो को मड़मैली मुफ्त प्रदान की जाये। किसानो को उच्चकोटि के बीज की व्यवस्था मिल भाव पर की जाये। नेत्र चिकित्सा के नाम पर किसानो से दस रूपये भुगतान से काटे गये थे। किसानो को नेत्र चिकित्सा की सुविधा नहीं दी गयी। मिल द्वारा किसानो का शोषण किया जा रहा है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा रहा है। मांग पूरी होने तक भाकियू का धरना जारी रहेगा।भाकियू कार्यकर्ताओं नारेबाजी करते हुए मुख्य गन्ना अधिकारी राजेश कुमार व इ डी पी मुकेश कुमार को धरने के बीच बैठा लिया।

बरसाना आ रहे हैं तो ब्रज होली डॉट कॉम इन बनेगा आपका सारथी

–स्क्रेन कर पार्किंग, दर्शनीय स्थलों तक गूगल की मदद से पहुंच सकेंगे श्रद्धालु
–पार्किंग में कितनी गाड़ी खड़ी हैं कितना स्पेस बकाया सभी जानकारी उपलब्ध होंगी

मथुरा। डीआईजी व डीएम ने ब्रज होली 2025 में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधाओं हेतु क्यू.आर. कोड एवं ठतंरभ्वसप. बव.पद साइट का विमोचन किया। इससे श्रद्धालु पार्किंग व दर्शनीय स्थलों तक सुगमता से पहुंच सकेंगे।

बुधवार को देर शाम जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में क्यू.आर. (फत्) कोड एवं साइट का विमोचन किया। जिसमे जिलाधिकारी ने कहा कि ब्रज में होली का त्योहार एक भव्य उत्सव है, जिसमें देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस दौरान सड़कों पर भारी भीड़ और यातायात की समस्या हो सकती है। यात्रियों की सुविधा के लिए ब्रज की होली के दौरान मार्ग, पार्किंग, डाइवर्जन आदि सहायता प्राप्त करने के लिए फत् को स्कैन कर सकते है या ठतंरभ्वसप.बव.पद को अपने मोबाइल फोन पर ओपन कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। श्रद्धालु एवं पर्यटक गूगल में कैमरा बटन पर क्लिक करें और फत् स्कैन करके ब्रज दर्शन के बारे में रूट मैप, पार्किंग मैप, डाइवर्जन और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।वहीं जिलाधिकारी ने स्थानीय लोगों से अपील की है बरसाना की होली में तीन दिन सहयोग प्रदान करें जिससे देश विदेश से आने वाले लाखों भक्तों को अच्छी से अच्छी व्यवस्था दे सकें। एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने कहा कि इस एप के माध्यम से श्रद्धालु अपनी पार्किंग व दर्शनीय स्थलों के साथ प्रतिबंधित मार्गो की जानकारी सुगमता से प्राप्त कर सकते हैं। इससे किसी भी श्रद्धालु को पार्किंग स्थल को ढूंढने में दिक्कत नहीं होगी। एप के माध्यम से सभी रास्तों की डिटेल मिलती रहेगी कहाँ कितनी भीड़ एकत्र है। सभी डिटेल उपलब्ध रहेगी। सभी स्थानीय लोग सकुशल होली को सम्पन्न कराने के लिए सहयोग प्रदान करें।

वही सभी अपनी सोशल साइट पर क्यूआर कोड को शेयर करके श्रद्धालुओं की मदद करें।इस दौरान ट्रैफिक एसपी मनोज कुमार यादव ,एडीएम योगानन्द पांडेय, सीओ आलोक कुमार, एसडीएम नीलम श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में व्याख्यान गोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज में दिनांक 6मार्च, 2025 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के प्रायोजकत्व में एक व्याख्यान गोष्ठी का आयोजन किया गया.सश्संस्कृत साहित्य में नारी विमर्श श विषयक गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. मनोज कुमार मिश्र ,अध्यक्ष वेद विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर,प्रयागराजय विशिष्ट वक्ता डा. निरुपमा त्रिपाठी, सह आचार्या, संस्कृत, पालि,प्राकृत एवं प्राच्य भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा सारस्वत वक्ता के रूप में डा. आरुणेय मिश्र , इविंग क्रिश्चन कॉलेज, डा. सौम्या कृष्णा ,एस एस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज एवं डा. सन्त प्रकाश तिवारी ,संस्कृत, पालि,प्राकृत एवं प्राच्य भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने अपने वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान दिये।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन डा. प्रमा द्विवेदी

तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रतन कुमारी वर्मा ने किया। प्रो. मनोज मिश्र ने स्त्री के प्रति पुरुष के समर्पण और प्रेम का बड़ा मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया और संस्कृत साहित्य के अनेक ऐसे प्रसंगों को उद्धृत किया जहां स्त्री की महत्ता को अपरिहार्य माना गया है।

डा. निरुपमा त्रिपाठी ने स्त्री और पुरुष को एक –दूसरे का पूरक बताया और कहा पुरुष का संरक्षण नारी की शक्ति को और सुदृढ़ करता है। डा. आरुणेय मिश्र ने प्राचीन काल में स्त्रियों को प्राप्त स्वयंवर, पुनर्विवाह, नियोग के अधिकारों की विभिन्न उद्धरणों के माध्यम से चर्चा की। डा. सौम्या कृष्णा ने अनेक संस्कृत कवयित्रियों के स्त्री चिन्तन पर प्रकाश डाला. डा. सन्त प्रकाश तिवारी ने संस्कृत साहित्य में वर्णित विभिन्न उपाख्यानों का उल्लेख करते हुए स्त्री के उदात्त स्वरूप को स्पष्ट किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, अन्य संस्थाओं के शिक्षकगण तथा शोधार्थीगण एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बब्बर खालसा का आतंकी महाकुंभ में हमला कर भारत से भागना चाहता था : डीजीपी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से बृहस्पतिवार तड़के गिरफ्तार किया गया बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का आतंकी लजर मसीह महाकुंभ के दौरान अशांति फैलाकर भारत से फरार होना चाहता था। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। उत्तर प्रदेश के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में बृहस्पतिवार तड़के कौशांबी जिले से बीकेआई के सक्रिय आतंकवादी लजर मसीह को गिरफ्तार किया गया। डीजीपी कुमार ने कहा कि बब्बर खालसा इंटरनेशनल के इस आतंकी की गिरफ्तारी से पाकिस्तान से भारत में हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी की पुष्टि भी हुई है। लखनऊ के सिग्नेचर बिल्डिंग में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डीजीपी कुमार ने कहा कि मसीह ने प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान एक बड़े आतंकी हमले की साजिश रची थी। उन्होंने कहा, हालांकि, धार्मिक आयोजन में कड़ी सुरक्षा जांच के कारण वह अपनी साजिश को अंजाम नहीं दे सका।ष उन्होंने कहा कि साजिश को अंजाम नहीं दे सकने के बाद मसीह का इरादा फर्जी पासपोर्ट का उपयोग कर भारत से फरार होने और पुर्तगाल में शरण लेने का था। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि

उसका बब्बर खालसा के एक सदस्य के साथ संबंध था जो पहले ही फर्जी यात्रा दस्तावेज के जरिए दुबई से भागा है। डीजीपी ने बताया कि मसीह पाकिस्तान में आईएसआई के तीन एजेंटों के संपर्क में था और वह पूर्व में हथियारों और हेरोइन की तस्करी के मामले में जेल जा चुका है, लेकिन 24 सितंबर 2024 को अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में इलाज के दौरान भाग गया था। उन्होंने बताया कि भागने के बाद उसने 23 अक्टूबर 2024 को पंजाब के बटाला में स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के इशारे पर गोली चलाई थी जिसके बाद वह सोनीपत और दिल्ली में छिपा रहा। कुमार ने बताया कि मसीह पंजाब में पुलिस चौकियों पर हमलों में शामिल बीकेआई के सदस्यों को कूट संकेतों के जरिए ग्रेनेड की आपूर्ति करता रहा है और वह पीलीभीत में मारे गए आतंकी विरेश सिंह उर्फ रवि के भी संपर्क में था। उत्तर प्रदेश पुलिस के मुताबिक, मसीह अमेरिका स्थित एक खालिस्तानी आतंकी से जुड़े अजनाला स्थित एक शख्स और कतर में छिपे एक अन्य आतंकी के निरंतर संपर्क में था। पुलिस ने बताया कि उसने कूटरचित मंचों से संवाद किया और उसके मोबाइल फोन डेटा का एसटीएफ साइबर लैब में विश्लेषण किया जा रहा है। डीजीपी कुमार ने कहा, "मसीह आतंकी गतिविधियों के लिए धन उपलब्ध कराने में पंजाब के मादक पदार्थ और फिरौती के अपने गिरोह का उपयोग कर रहा था। मुक्तसर जेल में एक साथी कैदी के जरिए आईएसआई के लोगों से उसका संपर्क स्थापित हुआ। कैदी ने उसे सीमा पार से ड्रोन का उपयोग कर हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले लोगों से संपर्क कराया।" इससे पूर्व उत्तर प्रदेश एसटीएफ के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने बताया कि पंजाब के अमृतसर के रामदास क्षेत्र के कुरलियां गांव निवासी आरोपी लजर मसीह को तड़के करीब 3रू20 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियान कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र में चलाया गया था। यश ने कहा, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के जर्मनी स्थित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित आईएसआई एजेंटों के सीधे संपर्क में था। उन्होंने बताया कि उप्र एसटीएफ को आतंकी के पास से कुछ विस्फोटक सामग्री और अवैध हथियार बरामद करने में सफलता मिली है। उनके मुताबिक, जब्त सामग्रियों में तीन सक्रिय हैंड ग्रेनेड, दो सक्रिय डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल और 13 विदेशी कारतूस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा उसके पास से सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर, एक आधार कार्ड जिसपर गाजियाबाद का पता है, बिना सिम कार्ड वाला एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। यश ने बताया कि यह आतंकवादी 24 सितंबर 2024 को पंजाब में न्यायिक हिरासत से फरार हो गया था। डीजीपी कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि यह गिरफ्तारी आतंक रोधी अभियान में एक बड़ी सफलता है और आगे की पूछताछ कर मसीह के साथियों का पता लगाया जा रहा है।

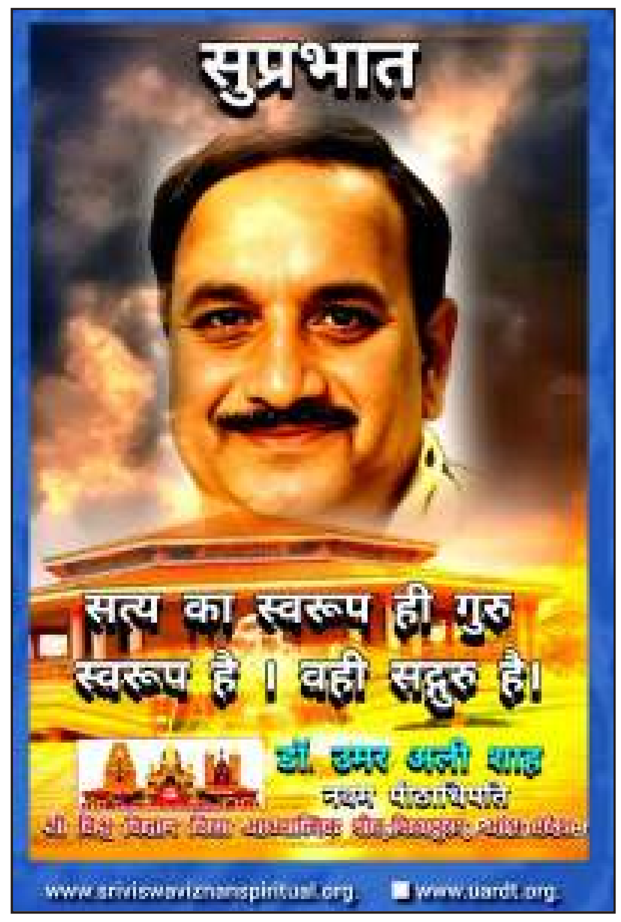

द्वार पर आया फागुन

(कुण्डलिया)

फागुन का पहला चरण, जीवन रंग–उमंग।
पीले पत्तों से विमुख,दिखते वृक्ष निहंग।
देखते वृक्ष निहंग,हवाओं का है पहरा।
निकले कोमल पात,अर्थ है इसका गहरा।
सुन लो कहें प्रदीप, न गावो केवल निर्गुण।
लेकर रंग–गुलाल, द्वार पर आया फागुन। ।

उद्दीपक मोहक रुचिर,वासन्तिक उद्यान।
प्रेम रंग में रँग रहा,मौसम का धर ध्यान।
मौसम का धर ध्यान, करे अपनी मनमानी।
चंचल हवा बयार, हुई अब बहुत सयानी।
सुन लो कहें प्रदीप, सुनो धड़कन की धक धक।
रंगों का संसार, बने जब भी उद्दीपक। ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

भाकियू भानु ने देवेंद्र पहलवान राष्ट्रीय संगठन मंत्री और भूरा पहलवान को जिलाध्यक्ष बनाया

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन भानू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन में फेर बदल करते हुए ग्राम नगला लोका निवासी जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान को राष्ट्रीय संगठन मंत्री और ग्राम सिहोरा के भूरा पहलवान को जिला अध्यक्ष मथुरा बनाया है। भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रमाण पत्र जारी करते हुए बताया कि भारतीय यूनियन के प्रति निष्ठा के साथ किसानों के हितों में लगातार कार्य करने से देवेंद्र पहलवान को पदोन्नति देते हुए राष्ट्रीय टीम में संगठन मंत्री घोषित किए गए हैं वहीं भूरा पहलवान की को मथुरा जिला अध्यक्ष का प्रमाण पत्र जारी किया है।

होली एवं ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित होली एवं ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 09417/09418 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09417 अहमदाबाद - दानापुर			गाड़ी संख्या - 09418 दानापुर - अहमदाबाद	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	09:10	अहमदाबाद	12:15	.....
00:10	00:15	मथुरा	20:20	20:25
07:10	07:20	कानपुर सेंट्रल	13:45	13:55
09:00	09:02	फतेहपुर	10:30	10:32
12:10	12:20	प्रयागराज	08:10	08:20
13:40	13:42	मिर्जापुर	04:55	04:57
20:30	.....	दानापुर	.....	23:50

• अहमदाबाद से गाड़ी संख्या 09417, सोमवार, दिनांक : मार्च 2025 - 10, 17, 24, 31, • दानापुर से गाड़ी संख्या 09418, मंगलवार, दिनांक : मार्च 2025 - 11, 18, 25, अप्रैल 2025 - 01

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 06, स्लीपर श्रेणी : 08, सामान्य श्रेणी : 04

गाड़ी सं. 09189/09190 मुंबई सेन्ट्रल-कटिहार-मुंबई सेन्ट्रल (साप्ताहिक) विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09189 मुंबई सेन्ट्रल - कटिहार			गाड़ी संख्या - 09190 कटिहार - मुंबई सेन्ट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	11:00	मुंबई सेन्ट्रल	18:40	.....
08:05	08:15	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	22:50	23:00
09:38	09:40	उरई	21:00	21:02
12:00	12:10	कानपुर सेंट्रल	18:25	18:35
13:00	13:02	फतेहपुर	16:15	16:20
14:15	14:25	प्रयागराज	15:00	15:10
15:35	15:37	मिर्जापुर	13:40	13:42
07:30	.....	कटिहार	.....	00:15

• मुंबई सेन्ट्रल से गाड़ी संख्या 09189, शनिवार, दिनांक : मार्च 2025 - 08, 15, 22, 29 • कटिहार से गाड़ी संख्या 09190, मंगलवार, दिनांक : मार्च 2025 - 11, 18, 25, अप्रैल 2025 - 01

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 05, स्लीपर श्रेणी : 12, सामान्य श्रेणी : 02

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 428/25(AS)

सम्पादकीय........

बदहाली की शिक्षा

हरियाणा के सरकारी स्कूल जिस बदहाली से गुजर रहे हैं उसका निष्कर्ष यही है कि ये स्कूल बीमार भविष्य के कारखाने साबित हो सकते हैं। हरियाणा के प्राथमिक शिक्षा विभाग द्वारा हाल में किए गए युक्तीकरण के प्रयासों से राज्य में सार्वजनिक शिक्षा की निराशाजनक स्थिति ही उजागर हुई है। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि राज्य में 487 सरकारी प्राथमिक विद्यालय बिना किसी शिक्षक के संचालित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह है कि करीब 294 स्कूलों में कोई छात्र नामांकित नहीं है। निश्चय ही छात्रों के मोहभंग के कारणों को समझना कठिन नहीं है। निश्चित रूप से यदि प्राथमिक शिक्षा की यह तस्वीर है तो माध्यमिक और उच्च शिक्षा की स्थिति और भी खराब हो सकती है। विडंबना यह भी है कि शिक्षा व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने की कवायद में शिक्षकों की बड़ी कमी के बावजूद पांच हजार से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो गए हैं। हालांकि, छात्र–शिक्षक अनुपात 28रू1 प्रबंधनीय लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कहीं ज्यादा खराब है। लगभग 16,500 से अधिक टीजीटी और 11,341 पीजीटी शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। इतना ही नहीं राज्य के विश्वविद्यालय और कालेज भी शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। यहां तक कि सरकारी कॉलेजों में भी व्याख्याताओं के लगभग आधी पद खाली हैं। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि राज्य में योग्य बेरोजगारों की बड़ी संख्या के बावजूद ये पद खाली पड़े हैं। जो व्यवस्थागत खामियों की ओर ही इशारा करते हैं। विसंगति यह भी है कि बजटीय उपेक्षा ने समस्या को और बढ़ा दिया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पिछले साल एक संबंधित मामले में एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आवंटित बजट का समय रहते उपयोग न कर पाने के कारण शिक्षा निधि में 10,675 करोड़ रुपये वापस लौटने का उल्लेख किया था। जो शिक्षा विभाग की उदासीनता की ही तस्वीर ही उकेरता है।ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि एक ओर वित्तीय संसाधनों की कमी की बात कही जाती है और दूसरी ओर शिक्षा निधि में उपयोग न किए गए धन को लौटाने की बात सामने आ रही है। जाहिरा तौर पर यदि आवंटित धन का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है तो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का दावा निरर्थक ही साबित होगा। कमोबेश शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों के छात्रों का अंकगणितीय ज्ञान और साक्षरता का कौशल पंजाब व पड़ोसी राज्य हिमाचल से कमतर ही है। हाल में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट यानी एएसईआर 2024 एक गंभीर स्थिति को ही उजागर करती है। वार्षिक स्थिति रिपोर्ट में उजागर हुआ है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा आठवीं तक के केवल 43.1 प्रतिशत छात्र ही गणित में भाग की गणनाएं कर सकते हैं। जो कि वर्ष 2022 में 49.5 प्रतिशत से कम ही है। जबकि दूसरी ओर पंजाब के स्कूलों के छात्र 58 फीसदी के साथ सबसे आगे हैं। उसके बाद हिमाचल प्रदेश 44 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर पढ़ने का कौशल भी उतना ही चिंताजनक है। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र गिरावट का ट्रेंड ही नजर आएगा। जाहिर है इससे छात्रों का ही नुकसान होगा। दरअसल, शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों को संबोधित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सरकारी स्कूलों में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों की ही अधिकता होती है। समाज के वंचित वर्ग के छात्र भी बड़ी संख्या में इन स्कूलों में दाखिले लेते हैं। उनकी पारिवारिक स्थिति कुछ ऐसी होती है कि अभिभावक की छात्रों के उन्नयन में आपेक्षित भूमिका नहीं हो पाती। ऐसे में शिक्षकों की जवाबदेही तय करने की जरूरत तो है ही, साथ ही शिक्षा विभाग को भी व्यवस्थागत विसंगतियों को दूर करने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। सरकार को भी शिक्षक–छात्र अनुपात को न्यायसंगत बनाने की दिशा में युद्ध स्तर पर प्रयास करने चाहिए। उन कारणों की भी पड़ताल हो जिनकी वजह से छात्रों का सरकारी स्कूलों में प्रदर्शन निराशाजनक बना हुआ है।

विकास के बरक्स आदिवासी संस्कृति

डॉ. सुखराम मुजाल्दे

एक आदिवासी बहुल राज्य के रूप में मध्यप्रदेश एवं झारखंड की देश में अलग पहचान है। यहां के आदिवासी समुदाय की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक एवं सामाजिक व्यवस्था है जो स्वयं में अनूठी है।

आदिवासी संस्कृति, परंपरा प्रकृति–पूजक के रूप में जल, जंगल, जमीन और पहाड़ से जुड़ी रही है। देश का संविधान भी उनके इस जुड़ाव को संरक्षण प्रदान करता है। उनका स्वभाव और संस्कृति कथित आधुनिक समाज के लोगों में कौतूहल पैदा करती है। आज देश में करीब 10 फीसद आबादी आदिवासी समुदाय की है, लेकिन फिर भी आधुनिक सामाजिक दौड़ में ये अन्य की तुलना में पिछड़े हुए हैं। एक आदिवासी बहुल राज्य के रूप में मध्यप्रदेश एवं झारखंड की देश में अलग पहचान है। यहां के आदिवासी समुदाय की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक एवं सामाजिक व्यवस्था है जो स्वयं में अनूठी है। आज जब पूरा विश्व वायुमंडलीय बदलाव और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहा है तब हमें आदिवासी समाज की जीवनशैली अपनी ओर खींचती है। प्रकृति से इनकी नजदीकी और मानव के मध्य एक बेहतर समन्वय को दर्शाता है। खेती के इनके तौर–तरीके और जंगलों का संरक्षण इनकी परंपराओं में शामिल है जो पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय बन सकता है, लेकिन हम इनकी पुरातन परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। ऐसे में क्या इनकी परंपराएं और संस्कृति किताब और शोध का विषय ही रहेंगे या व्यवहारिक धरातल पर भी दूसरों के काम आएंगे? तकनीक और विज्ञान से लैस आज का आधुनिक समाज आदिवासियों की परंपराओं और जीवनशैली को उत्सुकता की निगाह से देखता है। उसके लिए इनका व्यवहार और संस्कृति अब अप्रासंगिक हो चुके हैं, लेकिन सही मायने में आदिवासियों की विशिष्ट जीवनशैली ही है जो हमें प्रकृति के साथ एक तारतम्य बनाकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। इनकी परंपराओं में छिपे ज्ञान को बाहर निकालने की आवश्यकता है। आज समाज का हर वर्ग विकास की दौड़ में एक–दूसरे से आगे निकलने की होड़ में है। इसी बीच एक सुदूर गांव का आदिवासी भी चाहता है कि वह भी समाज के अन्य वर्गों की भांति आगे आए। अब इस प्रतिस्पर्धा के युग में सरकार भी इस समुदाय की विभिन्न स्तरों पर सहभागिता हेतु कार्य कर रही है। इनकी परंपराओं और संस्कृतियों के संरक्षण के साथ–साथ विकास की दौड़ में कैसे इनकी भी सहभागिता सुनिश्चित करें? कैसे इस समाज के युवाओं के लिए इनकी परंपराओं के अनुकूल विकास का माहौल तैयार करें? राज्य में लुप्तप्राय हो रही जनजातियों की विशिष्ट जीवनशैली और परंपराओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए इसे सामान्य जीवन में भी व्यवहार में लाना होगा। उनकी खेती की पारंपरिक विधा, जंगलों में औषधीय पौधों की पहचान, उनके उपयोग और जैविक खेती के कई तरीके आज भी अनूठे हैं। सरकार इनके विकास की नीति उनकी इन्हीं परंपराओं को ध्यान में रखकर तैयार करने का प्रयास कर रही है जिसमें पुराने बीजों का संरक्षण, मोटे अनाजों हेतु नीतियों का निर्माण, ताकि उनकी संस्कृति और परंपराओं का भी संरक्षण हो सके। जिससे आदिवासियों के विभिन्न स्तरों के अनुरूप उनके विकास का खाका तैयार किया जा सके। विश्व की इस महान लोक–संस्कृति को संरक्षित व संवर्धित करने के लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। आदिवासी आध्यात्म, परंपरा, संस्कृति से संबंधित ज्ञान–परंपरा पर काम करने वाले शोधार्थी नीलम केरकेट्टा का मानना है कि पर्यावरण की सुरक्षा पर जो बहस आज दुनिया भर में हो रही है, उसकी विडंबना है कि उसके मूल में अभी भी प्रकृति पर विजय पाने का दर्शन ही है। जब तक आदिवासियों की संस्कृति में उपलब्ध प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाने के दर्शन को इसका आधार नहीं बनाया जायेगा, इस बहस का कोई खास नतीजा नहीं निकलेगा। उरांव समाज की ज्ञान परंपरा का अध्ययन करने वाले इस शोधार्थी का मानना है कि उनके पास बीजों और पेड़–पौधों के बारे में जो ज्ञान है, उस पर उन्होंने पुस्तकों का सृजन तो नहीं किया है, लेकिन उनके गीतों, कलाओं और दैनिक जीवन के क्रिया–कलापों में संकलित है। फ्रांस के प्रसिद्ध दार्शनिक ब्रूनो लातूर ने सही कहा है कि आधुनिक समाज जिन मापदंडों पर आदिवासी समाज को आधुनिकता के दौर में पिछड़ा मानता है, उन्हीं मापदंडों पर यदि उन्हें भी परखा जाये, तो हम इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हम कभी आधुनिक थे ही नहीं। हमारा आधुनिक होना एक दंभ से ज्यादा कुछ भी नहीं है। भारतीय आदिवासियों की ज्ञान परंपरा में विद्वानों की रुचि बढ़ रही है। आदिवासी संस्कृति एक जीवंत परंपरा है, उसे संग्रहालय में सजाने की जगह उस पर शोध की जरूरत है। यदि उत्तरी अमेरिका की खानाबदोश ब्लैकफुट संस्कृति पर काम करने वाले लेरॉय लिट्टलबीयर की बात मानें, तो आधुनिक विज्ञान से आदिवासी विज्ञान के संवाद की जरूरत है। ध्यान रहे, यह संवाद ज्ञान के दंभ से अलग हटकर बराबरी का हो और मानवीय मूल्यों को केंद्र में रख कर हो। आवश्यक है कि आधुनिक समय में साहित्य के दृष्टिकोण से आदिवासी समुदाय के गौरवपूर्ण इतिहास और उनके स्वाभिमान को आधुनिक समाज के समक्ष प्रस्तुत करने, उसका सही प्रलेखन करने की, ताकि स्वयं समुदाय और देश के अन्य समुदायों को इसका भान हो सके। इससे इनकी गौरवपूर्ण सभ्यता और संस्कृति पर नाज हो।

राजद्रोह की धारा या सत्तापक्ष का हथियार

राजेंद्र शर्मा

इसे भाजपा की धुलाई मशीन का करिश्मा कहना, शायद इसमें निहित हमारी संवैधानिक व्यवस्था के क्षय को कम कर के आंकना होगा। इससे पता चलता है कि नरेंद्र मोदी के राज में राजद्रोह जैसे गंभीर और आरोपियों के लिए बहुत ही दमनकारी आरोपों को भी, न सिर्फ खुल्लमखुल्ला सत्ताधारी राजनीति के स्वार्थों का मोहरा बना दिया गया है बल्कि इन स्वार्थों का बहुत ही सस्ता मोहरा बना दिया गया है। हम गुजरात में करीब दस वर्ष पहले महत्वपूर्ण तथा विद्रोह तेवरों वाले युवा पटेल नेता के रूप में उभरे, हार्दिक पटेल और जवाहर नेहरू विश्वविद्यालय की कन्हैया कुमार की समकालीन छात्र नेता, शहला राशिद के वर्षों बाद, राजद्रोह की धाराओं के आरोपों से मुक्त किए जाने की बात कर रहे हैं। इसी 1 मार्च को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने दिल्ली पुलिस के इसकी अर्जी को स्वीकार कर लिया कि वह 2019 के राजद्रोह के केस में, शहला राशिद के खिलाफ मुकदमा वापस लेना चाहती है। इसके अगले ही रोज, अहमदाबाद की अदालत ने हार्दिक पटेल के खिलाफ भी राजद्रोह का मामला वापस लेने की इजाजत दे दी। दुर्भाग्य से अनेक वर्षों तक इन युवा नेताओं के गले का फंदा बने रहने बाद भी, अब राजद्रोह के केस से इन दोनों की ही मुक्ति का दूर–दूर तक कोई संबंध, पुलिस समेत शासन तंत्र को इसका एहसास होने से नहीं है कि इनके मामले में राजद्रोह की धाराओं के प्रयोग का कोई आधार नहीं था, कि इन मामलों में आरोपियों के साथ ज्यादती हुई थी, आदि। दूर–दूर तक ऐसा कुछ भी नहीं होने का पता इस मोटे से सच से लग जाता है कि कमोबेश ऐसे ही प्रसंग में राजद्रोह की धाराओं में मामले का निशाना बने, जेएनयू के ही छात्र नेता उमर खालिद तथा दिल्ली के दंगे के तथाकथित वृहत्तर षड्यंत्र के मामले के अन्य आरोपियों तथा भीमा–कोरेगांव मामले के आरोपियों के मामले में तो, इतने वर्ष बाद भी शासन को इस तरह का कोई चेत नहीं आया है। उल्टे उमर खालिद तो करीब पांच साल से जेल में ही बंद है और उसे जमानत मिलने के अब भी कोई आसार नजर नहीं आते हैं। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि शहला राशिद और हार्दिक पटेल, दोनों के राजद्रोह के आरोपों से मुक्त किए जाने का सीधा संबंध, उन पर आरोप लगाए जाने के बाद गुजरे इन कई वर्षों में, उनके अपना राजनीतिक रुख बदलकर, नरेंद्र मोदी निजाम का मुखर समर्थक बन जाने से है। हार्दिक पटेल तो इस दौरान भाजपा में शामिल होकर, उसके टिकट पर चुनाव लड़कर विधानसभा में भी पहुंच चुके हैं, जबकि शहला राशिद भी कश्मीर की राजनीति में सक्रिय, भाजपा और मोदी समर्थक माने जाने वाले एक ग्रुप के साथ जुड़ी हुई हैं। इस तरह, इन दोनों के नाम अब ऐसे लोगों की लंबी सूची में जुड़ गए हैं, जो पहले भाजपा और मोदी राज के विरोधी रहे थे और तब वर्तमान शासन की विभिन्न एजेंसियां उनके पीछे लगा दी गयी थीं। लेकिन, बाद में जब उन्होंने अपने राजनीतिक विचार बदलकर भाजपा तथा मोदी राज का समर्थन करना शुरू कर दिया, इनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी बंद कर दी गयी। प्रसंगवश याद दिला दें कि इंडियन एक्सप्रैस की एक चर्चित खोजी रिपोर्ट में ऐसे पूरे 25 पूर्व–विपक्षी नेताओं के मामलों की जांच–पड़ताल की गयी थी, जिनके खिलाफ 2014 में मोदी निजाम के आने के बाद से भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाकर सीबीआई, ईडी तथा आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से जांच शुरू करायी गयी थी, बहुप्रचारित पूछताछ से लेकर कुछ मामले में गिरफ्तारी तक की कार्रवाइयां भी की गयी थीं। लेकिन बाद में इन नेताओं के राजनीतिक रूप से पल्टी मारकर सत्तापक्ष के साथ जा मिलने के बाद, कम से कम 23 मामलों में उन्हें केंद्रीय एजेंसियों के शिकंजे से राहत मिल गयी। इस सूची में 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, असम के हिंता बिस्वशर्मा 2020 में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चले गए बंगाल के सुवेंदु अधिकारीय 2019 में तेलुगू देशम पार्टी छोड़कर आंध्र प्रदेश में भाजपा में शामिल हुए सीएम रमेशय 2019 में ही सपा को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए संजय सेठ से लेकर, 2023 में एनसीपी में विभाजन कर, भाजपा के साथ गठजोड़ में जा बैठे अजित पवार और 2024 में ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा मिले, नवीन झ्रकसलद तक के नाम शामिल हैं। याद रहे कि यह सूची राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की ही है। राज्य स्तर पर तथा उससे भी नीचे, केंद्रीय एजेंसियों के दबाव के जरिए, इस तरह दल–बदलकर भाजपा और मोदी राज के पाले में जाने के लिए मजबूर किए गए राजनीतिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं की संख्या और कई गुना बड़ी होगी। इनमें 2015 से लेकर हाल में 2024 तक के मामलों का शामिल होना इसे रेखांकित करता है कि यह एक लगातार जारी प्रक्रिया का या कहना चाहिए कि स्थायी व्यवस्था का मामला है, जिसमें केंद्रीय एजेंसियों की जांच और उनके आरोपों के डंडे से हांककर, विरोधियों को सत्ता के पाले में धकेला जा रहा है। फिर भी, राजद्रोह या यूएपीए जैसी धाराओं के आरोपियों का भी इस सूची में शामिल हो जाना, इस भयावह परिदृश्य को और भी भयानक बना देता है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये अति–दमनकारी धाराएं, दुर्लभतम मामलों में और बिल्कुल अकाट्य मामलों में ही उपयोग किए जाने का तकाजा करती हैं। वास्तव में राजद्रोह की धारा को तो औपनिवेशिक दौर का अवशेष मानते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने उसके उपयोग पर रोक की लगा दी थी। लेकिन, इस अति–दमनकारी व्यवस्था के अपने अतिरिक्त प्रेम के चलते, मोदी सरकार ने अपने नये फौजदारी कानूनों में नये नाम से इस धारा को न सिर्फ पुनर्जीवित कर दिया है बल्कि उसका दायरा फैलाकर, उसे और घातक भी बना दिया है। हार्दिक पटेल और शहला राशिद का प्रकरण यह दिखाता है कि मोदी राज में ऐसे कानूनों की भी शक्तियों का किस तरह अंधाधुंध और सत्ताधारियों के क्षुद्र तथा हल्के स्वार्थों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। आपराधिक कानूनों के इस्तेमाल की ऐसी ही मनमानी का एक और रूप, दंगों समेत विभिन्न अपराधों के सत्तापक्ष समर्थक आरोपियों के मामलों का वापस लिया जाना है। भाजपायी राज्य सरकारें नियमित रूप से ऐसा करती आयी हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह मौजूदा शासन के समर्थकों और कृपापात्रों के कानून के शिकंजे से सुरक्षित ही बनाए रखे जाने के ऊपर से है। उस सिलसिले में एक आंखें खोलने वाला मामला यति नरसिम्हानंद का है, जिसके मुस्लिमविरोधी बोलों के खिलाफ तो भाजपा की डबल इंजन सरकारों ने कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन इन मुस्लिमविरोधी बोलों को बेनकाब करने के लिए, जाने–माने फैक्टचेकर, जुबैर के खिलाफ नरसिम्हानंद की मानहानि करने के केस में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पिछले करीब साल भर से सुनवाई चल ही रही है। फिर भी हार्दिक, शहला प्रकरण वर्तमान शासन की इस गिरावट के और नयी नीचाइयां नापने को ही दिखाता है। लेकिन दुर्भाग्य से मौजूदा राज में कानून व व्यवस्था के तंत्र की इस खतरनाक गिरावट की चुनौती को स्वीकार करने के लिए विपक्ष, तैयार नजर नहीं आता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा तथा उसके गठजोड़ को लगे तगड़े धक्के के बाद से, संघ–भाजपा ने कम से कम मनोवैज्ञानिक स्तर पर, अपनी खोयी जमीन का काफी हिस्सा दोबारा हासिल कर लिया है। बेशक, पहले हरियाणा, फिर महाराष्ट्र तथा अब दिल्ली के विधानसभाई चुनाव में भाजपा की जीत ने उसके हौसले बुलंद किए हैं। लेकिन, इससे ज्यादा उसके हौसले बुलंद किए हैं, लोकसभा चुनाव के बाद से उत्तरोत्तर गिरते गए विपक्षी एकता के ग्राफ ने। अगर हरियाणा के चुनाव में आम आदमी के सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने के रूप में विपक्ष का बिखराव दिखाई दिया था, तो दिल्ली के चुनाव में तो आप पार्टी और कांग्रेस में, एक–दूसरे को भाजपा जैसा साबित करने की होड़ लगी हुई थी।

कुंडलिया छंद

आया फागुन द्वार पर , हुलसै सारा बाग,
पवन चले मदमस्त हो, झूमे गाये फाग।
झूमे गाये फाग, कबीरा टोली–टोली ,
भांग घुटे जब संग , लगे तब होली–होली ।
अरे 'सुमन' जी आज , आपने क्या फरमाया?
मदिर–मदिर सौगात ,लिए क्या फागुन आया ?

शीला झुमरी लो चखो, व्यंजन भर यह थाल ,
गुझिया मां के स्वाद की, रखना जरा सँभाल।
रखना जरा सँभाल, मिले हुड़दंगी टोली,
ढूंढे साथी संग , 'सुमन' खेलेगी होली ।
इक दूजे को रंग, लगाया काला पीला,
पहचानेगा कौन ,बताओ तुमको शीला ।

संगीता 'सुमन'
प्रयागराज उप्र

शमा–रोहित विवादः घृणा का नया विषय

प्रेम शर्मा

दशक भर से अधिक समय से हिन्दू–मुस्लिम का खेल खेलते भारत को इसके लिये हर रोज नया विषय चाहिये होता है। देश की दो प्रमुख कौमों को आपस में लड़ाकर हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण करते हुए इस खेल की माहिर भारतीय जनता पार्टी सत्ता पाने और उस पर बने रहने का रहस्य बूझ चुकी है। वह जान गयी है कि जब तक वह मानव जीवन के हर पक्ष में हिन्दू–मुस्लिम करती रहेगी, उसका वोट बैंक बढ़ता रहेगा। इसके लिये उसके पास एक व्यवस्थित प्रणाली और नेटवर्क है। किसी भी घटना में यह एंगल ढूंढ़कर निकाला जाता है और योजनाबद्ध तरीके से दोनों सम्प्रदायों के बीच नफरत फैलायी जाती है। इसके उद्देश्य को पाने हेतु भाजपा और उसके विचारों को मानने वाले हिंसा फैलाने से भी नहीं चूकते। भाजपा के अधिकृत प्रवक्ताओं के अलावा उसका आईटी सेल, पार्टी सदस्य, समर्थक और वे लोग इस प्रचार तंत्र का हिस्सा हैं जिनका काम भाजपा–राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्राप्त तोड़े–मरोड़े गये तथ्यों, असत्य एवं अर्द्ध सत्य को प्रचारित कर लोगों को प्रभावित करना होता है। कहना न होगा कि धर्म, सम्प्रदाय, जाति जैसे विषयों का सहारा लेकर भाजपा खुद को शक्तिशाली करने में 24–7 मशगूल रहती है– बिना इस बात की चिंता किए कि उसके ऐसा करने से लोकतंत्र और देश लगातार खोखला हो चला है। पिछले कुछ अर्से से देखें तो चुनाव का वक्त हो या न हो, भाजपा ने पूरे देश को दो धड़ों में बांटकर रख दिया है। एक जो भाजपा समर्थक हैं, दूसरे में वे सारे लोग जो उसकी विचारधारा को नहीं मानते। ऐसा नहीं कि विचारों के आधार पर यह विभाजन पहली बार हो रहा हो। यह पहले भी था लेकिन विपरीत विचारों के प्रति घृणा का स्तर इतना अधिक कभी नहीं था। फिर, विचारों के भेद के आधार पर कभी भी किसी को भी न तो देशद्रोही कहा जाता था और न ही किसी को पाकिस्तानपरस्त, हिंदूविरोधी या विदेशी एजेंट। धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर एक तरह से मानों देश के दुश्मन हो गये और जो भाजपा के साथ हैं वे ही देशभक्त तथा सनातन के ठेकेदार बन बैठे हैं। चुनावों में ध्रुवीकरण के कारण मिलती सफलताओं से प्रेरित होकर भाजपा इस विमर्श को लगातार मजबूत कर रही है। एकाध छोटे–मोटे नेता के नेतृत्व में किसी गैर हिन्दू धर्म स्थल में घुसकर तोड़–फोड़ करने व उसकी मीनारों–गुम्बदों पर झंडा फहराने से लेकर भरी लोकसभा में मुस्लिम सांसद को गाली देना इसी रणनीति और मानसिकता का हिस्सा है। मुस्लिम नामों वाले शहरों, गलियों, रास्तों के नाम बदलकर उन्हें हिन्दू नाम देना सत्ता में बने रहने का नुस्खा है जो इन दिनों इस्तेमाल में बहुत ज्यादा लाया जा रहा है। भाजपा संगठन, उसकी सरकारें तथा उसके समर्थक हर रोज एक कदम आगे बढ़ते हुए दिखते हैं। हाल ही में दिल्ली के शौचालयों में औरंगजेब के चित्र लगाते हुए या मुस्लिमों की दुकानों पर लाल रंग का निशान लगाते हुए जो लोग दिख रहे हैं वे सारे इसी बड़े खेल के किरदार हैं। देश के चार स्थानों (प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार एवं नासिक) में हजारों वर्षों से कुम्भ लगता आया है परन्तु हिन्दू धर्म का जो ज्वार इस बार के प्रयागराज में उठा वह पहले कभी नहीं देखा गया था। इसके जरिये पहले से भाजपा व उसकी सरकारों ने अपने समर्थकों का आधार बढ़ाना तय किया था। ऐलान कर दिया गया कि इसमें मुस्लिमों को दुकानें नहीं लगाने दी जायेंगी। ऐसा हुआ भी। हर तीसरे साल किसी न किसी कुम्भ का आयोजन होता है। तय मानिये कि अब हर कुम्भ (अर्द्ध कुम्भ भी) में यही तरीका पैटर्न दिखेगा। एक समय था जब कुम्भ के जरिये न सिर्फ सनातन एकता की बात होती थी, वरन उसमें देश के सभी धर्मावलम्बियों का समावेश व योगदान रहता था क्योंकि ये मेले भारत के केवल धार्मिक नहीं वरन सांस्कृतिक आयोजन भी रहे हैं। अब इन्हीं मंचों से भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने और संविधान की बजाये मनुस्मृति लागू करने की मांगें उठने लगी हैं। अभी देश प्रयागराज की भगदड़ों के दुख से पूरी तरह से उबर भी नहीं पाया है पर उसमें मुस्लिम एंगल की तलाश प्रारम्भ हो गयी है। दूसरी ओर विभाजन को और चौड़ा करने वाला नया विषय उपलब्ध हो गया है। इस वक्त आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत भारत शानदार प्रदर्शन कर रहा है परन्तु उसमें शहिटमैनश कहे जाने वाले रोहित शर्मा का प्रदर्शन अपेक्षाओं और उनकी ख्याति के अनुकूल नहीं होने के कारण वे आलोचना के पात्र बन गये हैं। ऐसा हर खिलाड़ी के साथ होता है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने इस बाबत एक ट्वीट किया कि श्रोहित शर्मा मोटे व आलसी हो गये हैंश। इसमें ऐसी कोई बेजा बात नहीं थी क्योंकि खेल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन व फिटनेस पर खेलप्रेमी हमेशा चर्चा करते रहते हैं। वैसे भी क्रिकेट को तो भारत का एक धर्म ही कहा जाता है क्योंकि यह बहुत लोकप्रिय है। चूंकि शमा का सम्बन्ध कांग्रेस से है, मुस्लिम भी हैं तथा रोहित सवर्ण हिन्दू (हालांकि खेल, फिल्म आदि में यह नहीं देखा जाता), सो वातावरण में विष घोलने के लिये यह काफी है। सोशल मीडिया में यह खेल इसी बहाने से चल रहा है। लोकप्रिय विमर्श की प्रयागराज में सफलता तथा हाल ही में वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव से उत्साहित यह वर्ग देश भर की मस्जिदों, दरगाहों, मजारों के नीचे मंदिर ढूंढने में लग गया है। इसके जरिये हर शहर–कस्बे में हिन्दू–मुस्लिम संघर्षों की जमीन तैयार की जा चुकी है। ऐसे में शमा–रोहित विवाद को तूल मिलना स्वाभाविक ही है।

जाह्नवी कपूर

श्रीदेवी की मर्जी के बिना फिल्मी दुनिया में आई थीं, आज मना रही 28वां जन्मदिन

> जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में कदम रखा था। एक्ट्रेस ने साल २०१८ में शशांक खैतान के निर्देशन में बनी धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के अलावा ईशान खट्टर नजर आए थे। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और यह फिल्म हिट साबित हुई।

आज यानी की 06 मार्च को बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। जाह्नवी कपूर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बड़ी बेटी हैं। उनको फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखे 7 साल बीत चुके हैं। जान्हवी कपूर आज बड़ी–बड़ी एक्ट्रेस को जमकर टक्कर देती हैं। जाह्नवी कपूर ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती के चलते उन्होंने लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर जाह्नवी कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मुंबई में 06 मार्च 1997 को जाह्नवी कपूर का जन्म हुआ था। इनके पिता बॉलीवुड के फेमस फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर हैं। वहीं मां का नाम श्रीदेवी था। दिवंगत श्रीदेवी इंडस्ट्री की उन कलाकारों में से थीं, जिन्होंने अपने समय में बड़े–बड़े मेल सुपरस्टार्स को टक्कर दी है। श्रीदेवी को बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार कहा जाता था।

फिल्मी करियर

बता दें कि महज 20 साल की उम्र में जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में कदम रखा था। एक्ट्रेस ने साल 2018 में शशांक खैतान के निर्देशन में बनी धड़क से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर के अलावा ईशान खट्टर नजर आए थे। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब प्यार दिया और यह फिल्म हिट साबित हुई। एक्ट्रेस ने अपने 7 साल के फिल्मी करियर में करीब 10 फिल्मों में काम किया है, जिनमें से अधिकतर फिल्मों को दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला।

उतार चढ़ाव भरा रहा फिल्मी करियर

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने घोस्ट स्टोरीज में नजर आई थीं, जोकि नेटफ्लिक्स पर नजर आई थीं। इसके बाद एक्ट्रेस शगुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्लश में नजर आईं, जोकि हिट साबित हुई थी। साल 2021 में जाह्नवी कपूर की फिल्म रूही रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस के अपोजिट राजकुमार राव नजर आए थे। लेकिन यह फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई थी। इसके अलावा अभिनेत्री फिल्म देवरा में नजर आई थीं, इस फिल्म में उनके साथ जूनियर NTR के साथ स्क्रीन साझा करती दिखीं। जूनियर छज्ट और जाह्नवी कपूर के अलावा सैफ अली खान भी इस फिल्म में थे। वहीं जाह्नवी शमिस्टर एंड मिसेज माहीश और शउलझश जैसी फिल्मों में भी नजर आई हैं।

करोड़ों की मालकिन

जाह्नवी कपूर काफी आलीशान जिंदगी जीती हैं। उनके पास बहुत कम उम्र में अच्छी–खासी संपत्ति है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जाह्नवी कपूर की नेटवर्थ करीब 82 करोड़ रुपए है।

अक्षय–कैटरीना की हिट फिल्म नमस्ते लंदन होगी री–रिलीज, होली 2025 में सिनेमाघरों में देगी दस्तक

इन दिनों थिएट्रस में फिल्मों की री–रिलीज का काफी ट्रेंड चल रहा है। कई सालों पहले रिलीज हुई फिल्मों को सिनेमाघरों में दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है और यह कमाई के भी रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। इन दिनों थिएटर में पुरानी फिल्म सनम तेरी कसम का खूब जलवा देखने को मिला। वहीं, अब अक्षय कुमार की 18 साल पहले रिलीज हुई फिल्म शनमस्ते लंदनश भी दोबारा रिलीज होने जा रही है। अक्षय कुमार ने खुद अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस खुशखबरी का ऐलान किया है। अक्षय ने बताया कि नमस्ते लंदन को फिर से थिएटर में रिलीज किया जा रहा है, और इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म के गाने, डायलॉग्स और अक्षय–कैटरीना की शानदार जोड़ी को आज भी लोग याद करते हैं, और अब यह फिल्म फिर से बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। नमस्ते लंदन 14 मार्च 2025 को होली के मौके पर थिएटर्स में फिर से रिलीज की जाएगी। फिल्म के साथ जुड़ी इस खास तारीख ने दर्शकों के बीच एक नई उम्मीद और खुशी जगा दी है। अक्षय और कैटरीना की जोड़ी को देखने का इंतजार उनके फैंस के बीच अभी से बढ़ चुका है। फिल्म में देसी लड़के और विदेशी लड़की की शादी के बाद प्यार की कहानी को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया था, जिसने दर्शकों को इंप्रेस किया था। साल 2007 में रिलीज हुई नमस्ते लंदन ने उस वक्त बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की थी। यह फिल्म उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में नौवें स्थान पर थी। इसने दुनियाभर में लगभग 71 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

सलवार कमीज कहां हैं..सना खान ने संभावना सेठ को बुर्का पहनने पर किया मजबूर, यूजर्स बोले-तू मुस्लिम है, वो नहीं

> सना खान अक्सर ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस संभावना सेठ भी नजर आ रही हैं। वीडियो में सना संभावना को बुर्का पहनने के लिए मजबूर करती नजर आ रही हैं। वहीं, संभावना बार-बार मना कर रही हैं लेकिन सना उन्हें बुर्का पहनाने की जिद करती हैं। वहीं अब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सना को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है।

सना खान उन स्टार्स में हैं जिन्होंने धर्म के लिए ग्लैमर की दुनिया को अलविदा कर दिया था। हालांकि सना खान अक्सर ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में छाई रहती हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस संभावना सेठ भी नजर आ रही हैं। वीडियो में सना संभावना को बुर्का पहनने के लिए मजबूर करती नजर आ रही हैं। वहीं, संभावना बार–बार मना कर रही हैं लेकिन सना उन्हें बुर्का पहनाने की जिद्द करती हैं। वहीं अब सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सना को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है। लोग उनके इस तरह जिद्द करने पर भड़के नजर आ रहे हैं और उनको खूब खरी खोटी सुना रहे हैं। दरअसल, संभवाना सना के शो मे गेस्ट के तौर पर शामिल हुई थीं।वीडियो में सना संभावना से कहती हैं– शतेरे पास अच्छी सलवार–कमीज नहीं है? थप्पड़ चाहिए? दुपट्टा कहां है तेरा?। संभावना मैं कान के अच्छे पहनूंगी ना, देखना अभी। सना खान वाओ, रमजान में कान के अच्छे पहनूंगी। ना दुपट्टा ना सलवार। संभावना मेरा इतना वजन बढ़ गया है कि मेरे कोई कपड़े मुझे फिट नहीं आते। तो अब मैंने वेट लूज करना शुरू किया है। मेरा कम से कम 15 किलो वजन ऊपर चला गया है तो मैं जो भी सलवार–कमीज पहन रही हूं वो यहीं पर अटक जा रहे हैं। सना खान मुझे बताती तो अंदर ऐसे प्लेन पहनती और फिर मैं तुझे अबाया के साथ जैकेट देती। जैसे पहनते हैं ना कि मोनो...ऐसे पहनके बैठ जाती संभावना सेठ ठीक है यार, चल जाएगा। तू ज्यादा चिंता मत कर। हमारे बोलने पे जाएंगे ना लोग। जो लोग प्यार करते हैं, वो हमारे कपड़े थोड़ी देखेंगे? एक ने लिखा है, सना खान सबका धर्म परिवर्तन करवाना चाहती है। एक यूजर ने कमेंट किया, ये लोग हर किसी पर बुर्का क्यों फोर्स करते हैं? एक और कमेंट लिखा है– संभावना को ऐसे लोगों के साथ उठना–बैठना बंद कर देना चाहिए। एक अन्य यूजर ने लिखा, शबहुत ही शर्मनाक है। उसने पूरे कपड़े पहने, फिर भी उससे प्रॉब्लम है। और ये होती कौन है बोलने वाली। खुद दूसरों पर ऐसी नजर डालोगी और नकाब पहन लोगी, तो ईमान वाली नहीं बन जाओगी। एक और कमेंट है, 100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। एक अन्य यूजर ने लिखा, तू मुस्लिम है, वो नहीं। एक और कमेंट आया– सना को उसकी पुरानी फिल्मों के गाने दिखा दो, याददाश्त वापस आ जाएगी। मालूम हो कि सना खान ने साल 2020 में मुफ्ती अनस सईद से निकाह किया था लेकिन इससे पहले ही उन्होंने शोबिज और फिल्मी दुनिया को अलविदा कह दिया था। यहां तक कि उन्होंने सोशल मीडिया से अपनी सारी ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियोज भी डिलीट कर दिए थे। सना खान अब दो बच्चों की मां भी बन चुकी हैं। सना खान ने भले ही एक्टिंग की दुनिया छोड़ दी हो, लेकिन वो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस को धर्म से जुड़े उपदेश देती रहती हैं। इस वक्त वो रमजान के महीने में अपना नया शो रौनक–ए–रमजान लेकर आ रही हैं।

पति और बेटे संग एमी जैक्सन ने करवाया फोटोशूट

एमी जैक्सन इस समय अपनी सेकेंड प्रेग्नेंसी को एंजॉय कर रही हैं। गॉसिप गर्ल स्टार एड वेस्टविक के साथ अपना पहला बच्चा एक्सपेक्ट कर रहीं एमी जैक्सन अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी मेटरनिटी फोटोशूट की कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं जो इस समय इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में एमी जैक्सन अपने बेबी बंप को गर्व से फ्लॉन्ट कर रही हैं। उनकी प्रेग्नेंसी ग्लो उनके लुक को और भी खास बना रहा था। इसके अलावा, वह एड वेस्टविक और अपने 5 साल के बेटे, एंड्रियास (एंड्रियास एमी के पूर्व पार्टनर जॉर्ज पानायिटू के बेटे हैं) के साथ खुशी–खुशी पोज देती नजर आईं। एंड्रियास एमी के पूर्व पार्टनर जॉर्ज पानायिटू के बेटे हैं। एक तस्वीर में, एमी जैक्सन ने बॉडी–हगिंग ब्लैक ड्रेस में अपने बेबी बंप को खूबसूरती से फ्लॉन्ट किया। उनकी ड्रेस में थाई–हाई स्लिट था जिससे उनका ग्लैमरस अंदाज और भी निखर कर आया। एमी, एड और उनके बेटे एंड्रियास के बीच एक खूबसूरत अनमोल पल कैमरे में कैद हुआ जिसमें परिवार की खुशी देखने को मिल रही है। एमी ने एक और मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की जिसमें वह ओवरसाइज्ड सफेद शर्ट के साथ ब्रालेट पहने अपने बेबी बंप को खूबसूरती से फ्लॉन्ट करती नजर आईं। जनवरी में गॉसिप गर्ल स्टार एड वेस्टविक संग सगाई करने के बाद, एमी ने अगस्त 2024 में इटली में शादी रचाई थी। शादी के कुछ महीनों बाद, अक्टूबर 2024 में कपल अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी शेयर की। करियर की बात करें तो एमी जैक्सन एक ब्रिटिश एक्टर और मॉडल है जिन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी खास पहचान बनाई है। 2015 की बॉलीवुड फिल्म सिंह इज ब्लिंग में अक्षय कुमार के साथ नजर आई थीं।

हाथ-पैरों में झुनझनी हो सकती है GBS Syndrome के लक्षण, जानिए कैसे करें बचाव

पुणे में इन दिनों गुइलेन-बर्रे सिंड्रोम काफी तेजी से फैल रहा है। बता दें कि संक्रमण के बाद यह होने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। अब तक इस बीमारी के 100 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं महाराष्ट्र के एक शहर में इस बीमारी से एक मौत भी हो गई है। तो वहीं करीब 14 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। GBS एक ऐसी दुर्लभ स्थिति है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली नसों पर हमला करती है। जिसकी वजह से सुन्नता, कमजोरी और लकवा पैदा हो सकता है। कैंपिलोबैक्टर जेजुनी नाम का बैक्टीरिया पेट के संक्रमण का कारण बनता है। आमतौर पर हाथों-पैरों में झुनझुनी और कमजोरी इसके शुरुआती लक्षण होते हैं। यह लक्षण काफी तेजी से फैल सकते हैं और यह स्थिति लकवे तक भी पहुंच सकती है। अपने सबसे गंभीर रूप में यह सिंड्रोम एक मेडिकल इमरजेंसी बन सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बीमारी के लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे होता है कैंपिलोबैक्टर जेजुनी

बता दें कि दूषित भोजन या पानी के सेवन से कैंपिलोबैक्टर जेजुनी का संक्रमण हो सकता है। बिना पाश्चुरीकृत दूध, कच्चा या अधपका चिकन और गंदा पानी इस बीमारी के प्रमुख स्त्रोत हैं। खाना बनाते हुए एक ही कटिंग बोर्ड या बर्तन का उपयोग करने से क्रॉस-कंटैमिनेशन के जरिए बैक्टीरिया फैल सकता है। वहीं संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने या फिर कच्चा मांस आदि छूने के बाद हाथ न धोने की वजह से भी इसका जोखिम बढ़ता है।

जिन स्थानों पर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता है और खाद्य सुरक्षा के तरीकों को ठीक से नहीं अपनाया जाता है, वहां पर इसका प्रकोप अधिक होता है। बैक्टीरिया जब शरीर में जाता है, तो यह आंतों की परत को संक्रमित करते हैं। इससे पेट में ऐंठन, दस्त, बुखार और जी मिचलाने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

GBS के लक्षण

आमतौर पर पैरों में झुनझुनी, कमजोरी या फिर सुन्नता से शुरू होती है। यह कमजोरी हाथों और शरीर के ऊपरी हिस्से तक फैल सकती है। गंभीर मामलों में यह लकवा भी हो सकता है। इसके अन्य लक्षणों में चेहरे की गतिविधियों में कठिनाई, लड़खड़ाकर चलना और असामान्य हृदय गति या रक्तचाप आदि शामिल है। कुछ लोगों को सांस लेने में तकलीफ, मूत्राशय/आंत्र नियंत्रण में कमी और तेज दर्द आदि का अनुभव होता है।

कैसे फैलती है ये बीमारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक ळठे संक्रामक नहीं है। यह एक ऑटोइम्यून बीमारी है और इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपनी नसों पर हमला करता है और नुकसान पहुंचाता है। वहीं यह बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है।

किसको ज्यादा खतरा

हाल के प्रकोप का सटीक वजह पता लगाया जाना अभी बाकी है। वहीं ळठे होने का खतरा अधिक होता है, इसका कोई विशिष्ट समूह नहीं है। लेकिन आमतौर पर यह संक्रमण सर्जरी या पुरानी बीमारी की वजह से कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोगों को अधिक खतरा हो सकता है।

क्या न खाएं

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, पनीर, चावल और चीज़ खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इन चीजों में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, क्योंकि इनमें नमी की मात्रा ज्यादा होती है। हालांकि यह पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। पनीर और चीज डेयरी उत्पाद हैं, इसलिए इनको अगर सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाता है, तो इनमें साल्मोनेला, लिस्टेरिया और ई। इनमें कोलाई होने की संभावना होती है और पके हुए चावल में बैसिलस सेरेस हो सकता है। जो कमरे के तापमान पर यदि छोड़ दिया जाए, तो इनमें जहर पैदा हो सकता है। जिससे फूड पॉइजनिंग हो सकती है। ये खाने-पीने की चीजें श्डेंजर जोनश में जल्दी खराब हो सकती हैं। इन जगहों पर बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं। बैक्टीरिया के दूषित होने और फूड पॉइजनिंग की संभावना को कम करने के लिए इनको फ्रिज में स्टोर करना चाहिए या फिर खा लेना चाहिए।

अचानक ब्लड प्रेशर हाई हो जाए तो इन तरीकों से करें कंट्रोल

ब्लड प्रेशर का अचानक बढ़ जाना, जिसे हाइपरटेंशन कहते हैं, एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। यह शरीर के रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है, जिससे दिल, गुर्दे, और मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ सकता है। कभी-कभी यह समस्या बिना किसी चेतावनी के होती है, और अगर तुरंत कंट्रोल न किया जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। यदि आपका ब्लड प्रेशर अचानक हाई हो जाए, तो आपको तुरंत ध्यान देना चाहिए और कुछ उपायों को अपनाकर इसे ब्वदजतवस करने की कोशिश करनी चाहिए।

इस आर्टिकल में हम आपको उन कुछ कारगर तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अचानक हाई हुए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं।

गहरी सांस लें

जब भी आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो गहरी सांस लेना सबसे पहले और सबसे प्रभावी उपाय हो सकता है। यह तकनीक आपके शरीर को शांत करने में मदद करती है और तनाव को कम करती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। गहरी सांस लेने से रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सामान्य हो सकता है और रक्तचाप नियंत्रित हो सकता है।

कैसे करें: आराम से बैठें और अपनी आंखें बंद करें। गहरी सांस लें, नाक से धीरे-धीरे और गहरी सांस लें, फिर मुंह से धीरे-धीरे बाहर छोड़ें। इस प्रक्रिया को 5-10 मिनट तक दोहराएं।

पानी पीना

पानी का सेवन ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, क्योंकि इससे शरीर हाइड्रेटेड रहता है और रक्त वाहिकाओं में रक्त का प्रवाह सही रहता है। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा होता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर के दौरान पानी पीने से राहत मिल सकती है।

कैसे करें: अगर आपका ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाए, तो तुरंत एक गिलास पानी पीने की कोशिश करें। अगर शरीर में पानी की कमी है, तो ज्यादा पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

लौंग और शहद का सेवन

लौंग और शहद का मिश्रण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। लौंग में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। शहद, रक्त वाहिकाओं को साफ रखने और रक्त के प्रवाह को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कैसे करें: एक गिलास गर्म पानी में 2-3 लौंग डालें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इसे रोजाना सुबह खाली पेट सेवन करें।

हल्का वॉक

हल्की दौड़ या वॉक करने से शरीर में रक्त प्रवाह सुधरता है और शरीर को आराम मिलता है। यह ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका है, क्योंकि यह हृदय को मजबूत करता है और शरीर को अधिक ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है।

कैसे करें: यदि आपके पास समय हो, तो आराम से बाहर थोड़ी देर के लिए चलने जाएं। अगर बाहर जाना मुश्किल हो, तो घर के भीतर ही हल्का वॉक करें या किसी जगह पर खड़े होकर पैर हिलाएं।

नींबू पानी

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में सहायक हो सकता है। यह शरीर को डिटॉक्स करता है और रक्त वाहिकाओं की स्थिति को बेहतर बनाता है। नींबू पानी पीने से रक्त प्रवाह सामान्य रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर को कम किया जा सकता है।

कैसे करें: एक गिलास पानी में आधे नींबू का रस मिलाकर पिएं। इसे दिन में एक बार सेवन करें।

स्ट्रेस को कम करें

तनाव और चिंता ब्लड प्रेशर को बढ़ाने के प्रमुख कारण हैं। अगर आप अचानक से हाई ब्लड प्रेशर महसूस करें, तो तनाव को कम करने के लिए अपने दिमाग को शांत करने की कोशिश करें। ध्यान, योग और रिलैक्सेशन तकनीकें तनाव कम करने में मदद करती हैं और ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में सहायक होती हैं।

कैसे करें: थोड़ी देर के लिए मेडिटेशन करें या आराम से ध्यान लगाने की कोशिश करें। योग, प्राणायाम, या कुछ हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

नमक का सेवन कम करें

अधिक नमक का सेवन ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। यदि आपके ब्लड प्रेशर में अचानक वृद्धि हो, तो नमक का सेवन कम कर दें। यह रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालने से बचता है और आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है।

कैसे करें: अपनी डाइट से नमक को कम करें। प्रोसेस्ड फूड्स और पैकेज्ड स्नैक्स में अधिक नमक हो सकता है, इसलिए इनसे बचें।

शहद और अदरक का मिश्रण

अदरक भी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। अदरक के एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं। शहद और अदरक का मिश्रण रक्तचाप को जल्दी नियंत्रित कर सकता है।

कैसे करें: एक चम्मच अदरक का रस और शहद मिलाकर सेवन करें। इसे दिन में एक बार जरूर पिएं।

अचानक हाई ब्लड प्रेशर एक गंभीर स्थिति हो सकती है, लेकिन कुछ सरल घरेलू उपायों के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। गहरी साँस, पानी पीना, हल्का वॉक, और स्वस्थ आहार जैसे उपायों से आप ब्लड प्रेशर को जल्दी कंट्रोल कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपका ब्लड प्रेशर बार-बार बढ़ता है या आपको कोई गंभीर लक्षण महसूस होते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ब्लड प्रेशर की सही स्थिति के लिए नियमित चेकअप और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है।

डिस्क्लेमरः हाई ब्लड प्रेशर से जुड़ी स्टीक जानकारी डॉक्टर से लेना जरूरी है।

क्या धूप से नवजात शिशु का पीलिया ठीक हो सकता है?

नवजात शिशुओं में पीलिया एक समस्या है, जो अक्सर जन्म के कुछ दिनों बाद देखी जाती है। इसमें शिशु की त्वचा और आंखों का रंग पीला पड़ जाता है, क्योंकि उनके शरीर में बिलीरुबिन नामक पदार्थ का लेवल बढ़ जाता है। बहुत से माता-पिता ये सवाल करते हैं कि क्या सूरज की रोशनी से पीलिया ठीक किया जा सकता है? अगर आप भी इस बारे में जानना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि पीलिया का इलाज कैसे किया जाता है और क्या हल्की धूप से इससे राहत मिल सकती है।

पीलिया क्या है और इसके कारण

नवजात शिशुओं में पीलिया तब होता है, जब उनके शरीर में बिलीरुबिन नामक पदार्थ का लेवल बढ़ जाता है। बिलीरुबिन एक प्रकार का पीला पदार्थ होता है, जो ब्लड के लाल कणों के टूटने से उत्पन्न होता है। नवजात शिशु का लिवर इस बिलीरुबिन को पूरी तरह से प्रोसेस करने में सक्षम नहीं होता, जिससे यह शरीर में जमा हो जाता है और त्वचा और आंखों में पीलापन आ जाता है। यह आमतौर पर जन्म के कुछ दिनों के भीतर होता है और 2 हफ्तों के भीतर ठीक हो जाता है।

पीलिया होने के लक्षण

नवजात शिशु में पीलिया का मुख्य लक्षण शरीर और आंखों का पीला पड़ना है। यह स्थिति पहले कुछ दिनों में विकसित होती है। हल्का पीलिया आमतौर पर बिना किसी विशेष उपचार के ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह गंभीर हो सकता है और चिकित्सा अध्ययन की आवश्यकता हो सकती है।

फोटोथेरेपी दृ पीलिया का सबसे प्रभावी इलाज

कई शोधो के अनुसार, फोटोथेरेपी पीलिया का सबसे प्रभावी इलाज है। फोटोथेरेपी में शिशु को नीली-हरी रोशनी के नीचे रखा जाता है, जो बिलीरुबिन को तोड़ने और शरीर से बाहर निकालने में मदद करती है। यह एक मान्यता प्राप्त और वैज्ञानिक तरीके से इलाज का सबसे प्रभावी तरीका है।

क्या सूरज की रोशनी से पीलिया ठीक हो सकता है?

कई माता-पिता यह सवाल पूछते हैं कि क्या सूरज में रखने से नवजात शिशु का पीलिया ठीक हो सकता है? शोध ाे का कहना है कि सूरज की रोशनी में बैठाना फोटोथेरेपी का ऑप्शन नहीं हो सकता, खासकर उन शिशुओं के लिए जिनका बिलीरुबिन लेवल अधिक है। हालांकि, यदि बच्चे का पीलिया सीमा के करीब (बॉर्डर लाइन) है या फोटोथेरेपी के बाद घर भेजा गया है, तो हल्की सुबह की धूप में रखना सहायक हो सकता है। ध्यान रखें, सूरज की रोशनी केवल एक सहायक उपाय हो सकती है, यह मुख्य इलाज नहीं है।

सूरज की रोशनी के फायदे

हल्की सुबह की धूप शिशु के लिए फायदेमंद हो सकती है। सुबह की धूप से शरीर को विटामिन डी मिलता है, जो हड्डियों के विकास में मदद करता है। इसके अलावा, सूरज की हल्की रोशनी से शिशु के शरीर में बिलीरुबिन की थोड़ी मात्रा को तोड़ा जा सकता है।

सूरज की रोशनी में रखने की सावधानियां

चेहरे और आंखों को बचाकर रखेः शिशु के चेहरे और आंखों को सूरज की सीधी रोशनी से बचाएं, क्योंकि यह उनकी त्वचा और आंखों के लिए हानिकारक हो सकता है।

कपड़े पहनाएंः शिशु को बिना कपड़े के न रखें। ज्यादा सूरज की रोशनी से शिशु की त्वचा जल सकती है।

समय सीमा का ध्यान रखेंः बच्चे को सिर्फ 10-15 मिनट के लिए हल्की धूप में रखें। यह समय उसके शरीर के लिए पर्याप्त होगा।

गंभीर पीलिया के मामलों में डॉक्टर से परामर्श लेंः यदि पीलिया की स्थिति गंभीर हो, तो बिना देरी के डॉक्टर से संपर्क करें।

हालांकि सूरज की हल्की रोशनी नवजात शिशुओं के हल्के पीलिया में कुछ हद तक मदद कर सकती है, यह एक पूर्ण इलाज नहीं है।

डिस्क्लेमरः इस आर्टिकल में दी गई जानकारी सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए कृपया डॉक्टर से सलाह लें।

रोजाना सुबह 2 भीगे हुए अंजीर खाने से सेहत को मिलते है जबरदस्त फायदे, हड्डियां होगी मजबूत

अंजीर को अंग्रेजी में फिग कहते हैं। यह एक स्वादिष्ट और पोषक तत्वों से भरपूर फल है। इसके सेवन से हमारे शरीर में कई फायदे होते हैं। अंजीर में कई मुख्य पोषक तत्व होते हैं। इसमें पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, अंजीर में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा, आयरन, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन एल जैसे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो शरीर को हेल्दी रखता है। भिगोकर अंजीर के सेवन करने से बॉडी को मिलते ये फायदे।

डायबिटीज नियंत्रित रखता

अंजीर का सेवन करने से डायबिटीज को कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। रात के समय 3-4 अंजीर भिगोकर रख दें, इसके बाद रोजाना सुबह इसके सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है।

हीमोग्लोबिन बढ़ता है

अंजीर एक अमृत फल है इसमें कई सारे पोषक तत्व पाएं जाते है। अंजीर में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम, तांबा

और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व होते हैं। रोजाना खाली पेट भीगे हुए अंजीर खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अंजीर को आप दूध के साथ भी खा सकते हैं।

कैंसर से लड़ता

अंजीर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। प्रतिदिन सुबह भीगे हुए अंजीर के सेवन से खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है।

हड्डियां मजबूत होती

अंजीर में कैल्शियम, पौटेशियम और मैग्नीशियम होता है जो हड्डियों को मजबूत करता है और सूजन को भी कम करता है। भीगे हुए अंजीर खाने से आपकी हड्डियां मजबूत बनेंगी।

पाचन तंत्र बेहतर होता है

अगर आप रोजाना भीगे हुए अंजीर का सेवन करते हैं तो पाचन संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। इसका सेवन करने से आंतों को पोषण मिलता है। क्योंकि इसमें घुलनशील फाइबर से भरपूर अंजीर पेट को साफ करता है और बॉडी को हेल्दी रखता है। आंतों की सेहत को दुरुस्त करने में अंजीर बेहद फायदेमंद होता है। कब्ज से राहत पाने के लिए खाली पेट 2 से 3 सूखे अंजीर का सेवन करें।

अब तक 14 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंच चुका है भारत, सातवें खिताब पर टिकी होंगी नजरें

दुबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम एक और आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने में सफल रही है। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है जहां उसका सामना रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय इस टूर्नामेंट में अब तक अजेय चल रही है और लगातार चार मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है। भारत अब खिताब से एक कदम दूर है। भारत का पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप में रोहित की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था जो 11 वर्षों में उसका पहला आईसीसी खिताब था। अब आठ महीने बाद ही टीम दूसरे आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और खिताब के बेहद करीब है। भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती हालांकि आसान नहीं रहने वाली है क्योंकि इसी टीम ने करीब चार साल पहले 2021 में विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में हराया था।

भारत–न्यूजीलैंड 25 साल बाद खिताबी मैच में भिड़ेंगे

भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने–सामने होंगी। दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चौंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

लगातार नॉकआउट में पहुंचा है भारत

पिछले कुछ वर्षों में भारत का आईसीसी टूर्नामेंट्स में दबदबा रहा है। भारत भले ही खिताब जीतने के मौके से चूकता रहा है, लेकिन लगातार नॉकआउट मैचों में पहुंचने में सफल रहा है। 2017 में आखिरी बार चौंपियंस ट्रॉफी हुई थी तब भी भारत फाइनल में पहुंचा था, लेकिन खिताब जीतने से चूक गया था। इसके बाद टीम 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा जहां न्यूजीलैंड ने उसे हराकर टूर्नामेंट से बाहर किया। 2021 में पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी भारत को हार मिली। फिर 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल और 2023 में वनडे विश्व कप के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने हराया। भारत का आईसीसी खिताब जीतने का सूखा 2024 में समाप्त हुआ जब टीम इंडिया ने रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता।

कई बार मौके गंवाए, पिछले साल समाप्त हुआ सूखा

भारत ने पहली बार 1983 में कपिल देव की अगुआई में विश्व कप का खिताब जीता था जो उसका पहला आईसीसी खिताब था। इसके बाद टीम 2000 में चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची, लेकिन न्यूजीलैंड से हार गई। 2002 में इसी टूर्नामेंट में श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता बनी। इसके अगले ही साल भारतीय टीम 2003 में सौरव गांगुली की अगुआई में वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन देश का सपना एक बार फिर टूट गया और टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलनी पड़ी। 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में भारत ने पहले टी20 विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराया।

इसके ठीक चार साल बाद धोनी की ही कप्तानी में भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए 2011 वनडे विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका को हराकर खिताब जीता। धोनी की अगुआई में फिर 2013 में भारत ने इंग्लैंड को चौंपियंस ट्रॉफी में हराया। यह धोनी की कप्तानी में भारत का तीसरा आईसीसी खिताब था। इसके बाद भारतीय टीम खिताब के लिए तरस गई। भारत को 2014 टी20 विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका से हार मिली। वहीं, 2017 में चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पाकिस्तान ने हराया। 2021 डब्ल्यूटीसी फाइनल और 2023 डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी टीम हारी, जबकि घरेलू मैदान पर 2023 वनडे विश्व कप के खिताबी मैच में भी टीम को हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, बारबाडोस के मैदान पर भारत का यह खिताबी सूखा पिछले साल समाप्त हुआ और अब देश को एक और आईसीसी खिताब की आस है।

13 फाइनल, छह खिताब, देश को एक और ट्रॉफी का इंतजार

भारत चौंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल से पहले सभी प्रारूप मिलाकर कुल 13 बार आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंचा है। इसमें से छह बार टीम खिताब जीतने में सफल रही है। भारत ने 1983, 2002, 2007, 2011, 2013 और 2024 में आईसीसी खिताब जीते हैं। अगर भारत रविवार को न्यूजीलैंड को हराने में सफल रहा तो यह उसका सातवां आईसीसी खिताब होगा, जबकि रोहित की कप्तानी में लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी।

खराब प्रदर्शन करने वाली बांग्लादेश टीम को झटका, मुशफिकुर रहीम ने वनडे से लिया संन्यास

ढाका। बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम ने वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। बांग्लादेश का प्रदर्शन चौंपियंस ट्रॉफी में निराशाजनक रहा था और टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने इस प्रारूप को अलविदा कहा था और अब मुशफिकुर ने भी वनडे प्रारूप छोड़ने का फैसला कर लिया है। मुशफिकुर बांग्लादेश के 2025 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में ए वर्ग में शामिल थे। चौंपियंस ट्रॉफी में मुशफिकुर का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और उन्होंने भारत तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ शून्य और दो रन बनाए। मुशफिकुर अपने प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे थे। बांग्लादेश इस आईसीसी टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं जीत सका था और सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गया था। मुशफिकुर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए कहा कि उन्होंने देश को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन उन्हें चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। मुशफिकुर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं आज वनडे प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। हमारी उपलब्धियां वैश्विक स्तर पर सीमित हो सकती हैं, लेकिन एक बात निश्चित है, जब भी मैंने अपने देश के लिए मैदान पर कदम रखा, मैंने समर्पण और ईमानदारी के साथ 100: से अधिक दिया।

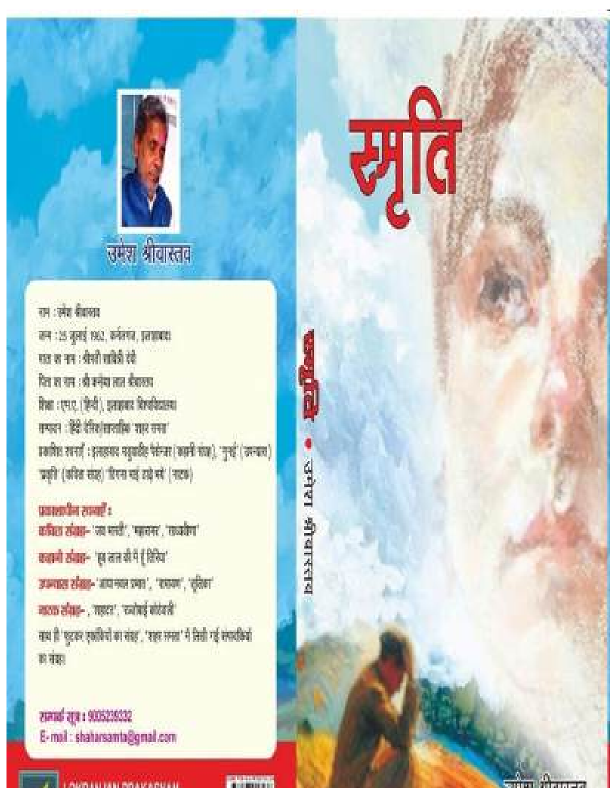

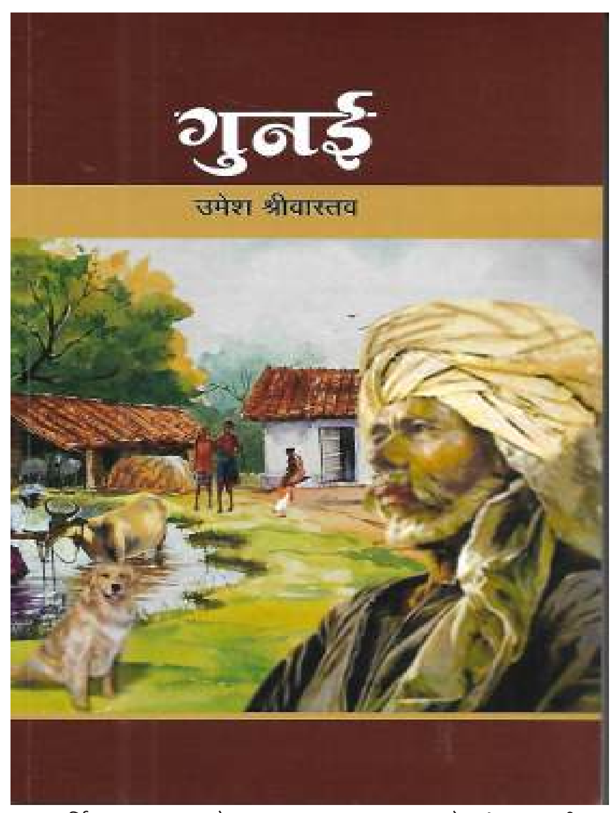

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

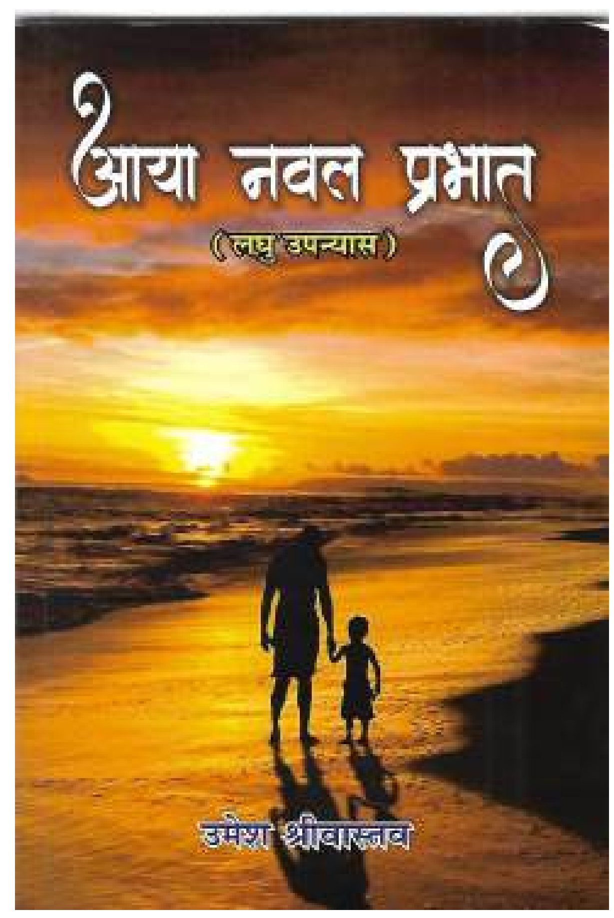

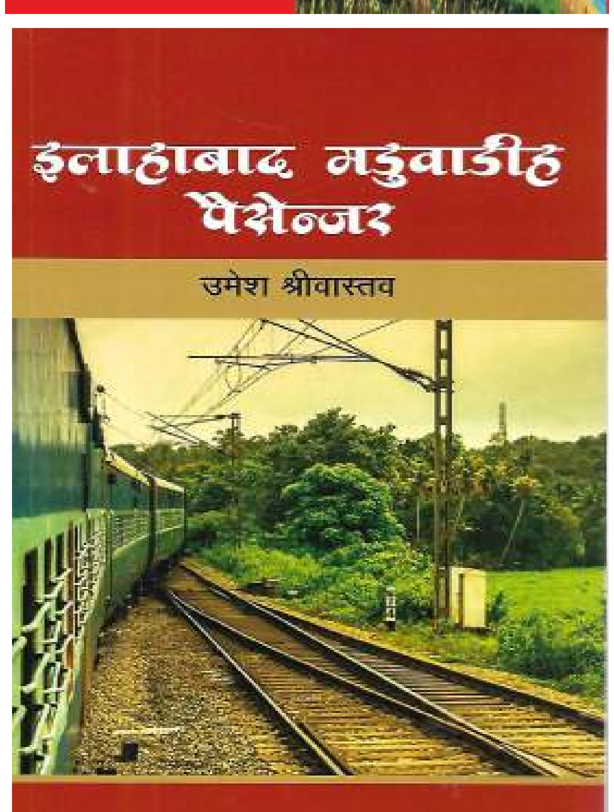

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

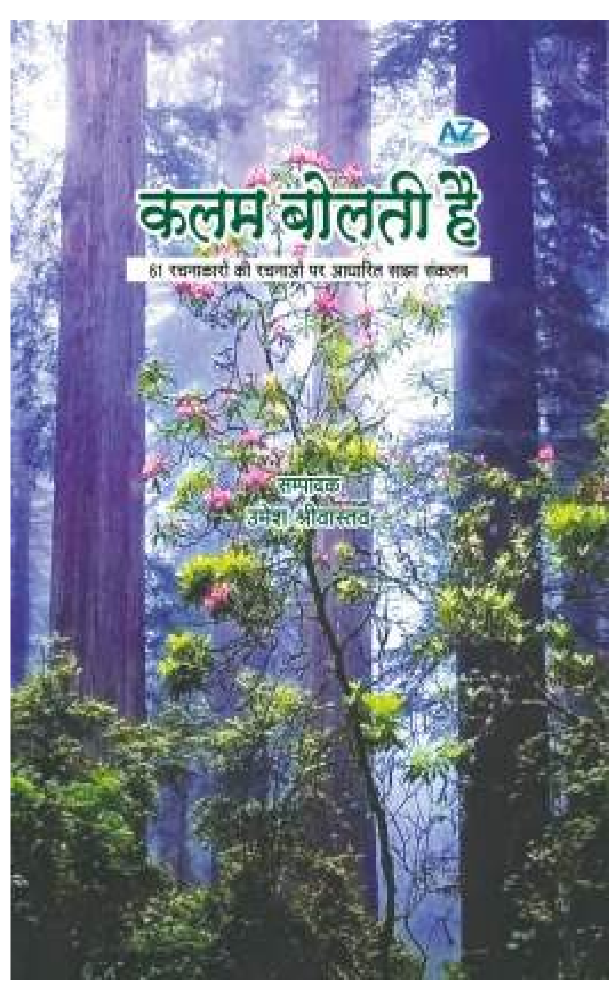

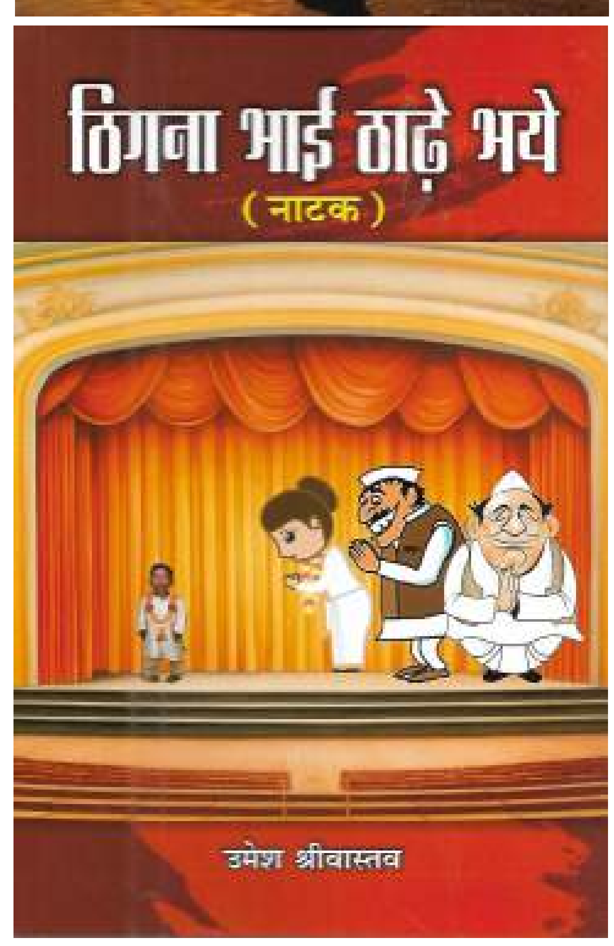

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेजन के सीईओ एंडी जेसी का बड़ा बयान, कहा भविष्य में कम होगी बॉस की संख्या

ऑनलाइन कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने एक नया बयान दे दिया है। एंडी जेसी का ये बयान उस समय सामने आया है जब कि कंपनी की संरचना को बेहतर बनाने के लिए कंपनी प्रशासन कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। इसमें मध्यम प्रबंधकों की संख्या को कम करना भी शामिल है। वर्ष 2025 के लिए एंडी जेसी का शुरुआती लक्ष्य है कि इस वर्ष की पहली तिमाही के अंत तक 15: की कमी की जाए। हालाँकि, कंपनी पहले ही इस लक्ष्य को पार कर चुकी है। इस कदम का उद्देश्य कार्यकुशलता बढ़ाना, कर्मचारियों को अधिक स्वायत्तता देना और उन्हें अपने काम का अधिक स्वामित्व लेने की अनुमति देना है। ब्लूमबर्ग को दिए गए एक साक्षात्कार में एंडी जेसी ने कहा कि कंपनी में हर साल कई नए लोगों को जोड़ा जाता है जिससे कई अधिक प्रबंधक साथ जुड़ जाते है। हालांकि अधिकतर प्रबंधक ऐसे होते हैं जो मध्यम श्रेणी के होते है। वे मध्यम प्रबंधक, सभी अच्छे इरादे वाले, हर चीज़ पर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। इसका मतलब यह है कि अमेज़न में भविष्य में कम बॉस होंगे। कर्मचारियों से खुद को प्रबंधित करने की अपेक्षा की जाएगी। मध्यम प्रबंधन में कमी अमेज़न को व्यापक उद्योग रुझानों के साथ जोड़ती है, जहाँ मेटा और गूगल जैसी तकनीकी दिग्गज कंपनियाँ इसी तरह की पहल कर रही हैं। इसका उद्देश्य अत्यधिक प्रबंधकीय परतों के कारण होने वाली अक्षमताओं को कम करना है, जिसमें अक्सर अनावश्यक पूर्व–बैठकें शामिल होती हैं। जेसी ने बताया, इसलिए आप इन लोगों को पूर्व–बैठक में, पूर्व–बैठक के लिए, पूर्व–बैठक के लिए, निर्णय बैठक के लिए, और हमेशा सिफारिशें नहीं करते और चीजों को उस तरह से स्वामित्व नहीं देते जिस तरह से हम उस तरह का स्वामित्व चाहते हैं। अमेजन के दृष्टिकोण को जेनजी कर्मचारियों द्वारा विशेष रूप से अच्छी तरह से प्राप्त किया गया है, जो कार्यस्थल में लचीलेपन और स्वायत्तता को महत्व देते हैं। भर्ती फर्म रॉबर्ट वाल्टर्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि 52: जेनजी कर्मचारी मध्य प्रबंधक नहीं बनना पसंद करेंगे, जबकि 72: पर्यवेक्षक भूमिकाओं के बिना कैरियर की प्रगति के पक्ष में हैं। वे अधिक स्वामित्व होने के साथ आने वाले सशक्तिकरण की सराहना करते हैं और वे अधिक तेज़ी से आगे बढ़ने में सक्षम होंगे, व्यक्तिगत विकास और स्व–प्रबंधन की ओर बदलाव को दर्शाता है। संरचनात्मक परिवर्तनों के बावजूद, अमेज़ॅन एक सख्त रिटर्न–टू–ऑफिस नीति बनाए रखता है, जिसके तहत कर्मचारियों को सप्ताह में पांच दिन व्यक्तिगत रूप से काम करना पड़ता है। सीईओ मैट गार्मन इस नीति का समर्थन करते हैं, उनका तर्क है कि वास्तविक नवाचार को दूरस्थ रूप से प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है। इस रुख का विरोध किया गया है, कुछ कर्मचारियों ने नई नौकरियों के लिए आकस्मिक आवेदन करने या नेतृत्व को पत्र लिखकर असंतोष व्यक्त करने का विकल्प चुना है। मध्य प्रबंधन में कटौती एक व्यापक आंदोलन का हिस्सा है जिसे श्सचेत अनबॉसिंगश कहा जाता है, जो व्यक्तिगत विकास और प्रबंधकीय निगरानी को कम करने पर केंद्रित है। यह दृष्टिकोण उद्योगों में लोकप्रिय हो रहा है क्योंकि कंपनियाँ व्यक्तिगत योगदानकर्ताओं को सशक्त बनाना चाहती हैं। त्ज्व नीति से कुछ कर्मचारियों के असंतोष के बावजूद, अमेजन का नेतृत्व अपने निर्णय पर अडिग है।

एफएमसीजी कंपनियों को बिक्री बढ़ने की आस, आयकर राहत व ब्याज दरों में कटौती से बढ़ सकती है मांग

मुंबई, एजेंसी। फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों के लिए तीसरी तिमाही काफी मिली जुली रही। कंपनियों की आय तो बढ़ी लेकिन कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से मार्जिन पर दबाव रहा। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि कंपनियों ने महाकुंभ के दौरान अपनी बिक्री को बढ़ाने के लिए उस ओर भी खर्च को बढ़ाया, जिसका असर वित्तीय वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में देखने को मिलेगा साथ ही मांग में सुधार और शहरी क्षेत्रों में सुधार के संकेत की वजह से कंपनियों की परेशानी कम होने की संभावना है। मोतीलाला ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025 चौथी तिमाही में शहरी मांग में थोड़ा बहुत सुधार होने के संकेत है, तो दूसरी ओर केंद्रीय बजट 2025 में आयकर राहत तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती से शहरी मांग में सुधार होगा। जिसका असर कंपनियों की परिणामों दिखाई देगा। बावजूद इसके कंपनियों की मांग 10 तिमाही से कम बनी हुई है, हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री में सुधार है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में मांग सुस्त है।

मुद्रास्फीति और कच्चे माल की बढ़ती लागत

आनंद राठी की रिपोर्ट के अनुसार कॉफी, चाय और कोको के साथ अन्य कमोडिटी की बढ़ती कीमतों की वजह से कंपनियों की लागत बढ़ रही है। पिछले कुछ महीनों में पॉम ऑयल के दाम और निर्यात भी चुनौती बना हुआ है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक साल से कॉफी की कीमतें दोगुनी से अधिक है। गेहूं और पाम ऑयल की कीमतों में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इन सभी वजहों से ब्रिटानिया तथा नेस्ले जैसी अधिकतर कंपनियों ने कई कैटेगरी में उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी भी की है, जिसकी वजह से मांग सुस्त बनी हुई है। एफएमसीजी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी हिन्दुस्तान लिवर और डाबर जैसी कंपनियों ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में अपनी बिक्री में गिरावट देखी है।

बढ़ती लागत की वजह से कंपनियों ने विज्ञापन खर्च को कम किया

वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में एफएमसीजी कंपनियों ने अपने विज्ञापन खर्च को कम कर दिया है। यहां तक की आगामी आईपीएल को भी लेकर कंपनियों ने बजट पर विचार कर रही हैं। कंपनियों द्वारा हाल ही में वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के परिणामों के आंकड़ों से पता चलता है कि हिन्दुस्तान यूनिलिवर का पिछले साल की तुलना में विज्ञापन खर्च को 8 प्रतिशत घटकर 1,466 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछली तिमाही में इसमें 15 प्रतिशत की कमी आई थी।

`बंधकों को रिहा करो वरना तुम्हारा काम खत्म', डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को दी आखिरी चेतावनी

गाजा में नाजुक युद्धविराम पर असहमति के बीच सभी बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर वाशिंगटन द्वारा फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह के साथ गुप्त वार्ता करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को आखिरी चेतावनी जारी की है। ट्रम्प का बयान व्हाइट हाउस द्वारा पुष्टि किए जाने के कुछ घंटों बाद आया कि वह इज़राइल की भागीदारी वाले समूह के साथ सीधे बातचीत कर रहा था, यह उन समूहों से बात न करने की अमेरिकी परंपरा के विपरीत था, जिन्हें वह आतंकवादी संगठन मानता है। ट्रम्प ने एक बयान में कहा कि सभी बंधकों को अभी रिहा करो,

बाद में नहीं, और जिन लोगों की तुमने हत्या की है उनके सभी शव तुरंत वापस कर दो, अन्यथा तुम्हारे लिए सब कुछ ख़त्म हो जाएगा। केवल बीमार और विकृत लोग ही शरीर रखते हैं, और आप बीमार और विकृत हैं! ट्रम्प ने कहा कि वह इज़राइल को काम पूरा करने के लिए वह सब कुछ देंगे और यदि समूह अमेरिकी राष्ट्रपति के आदेशों का पालन नहीं करता है तो हमास का एक भी सदस्य सुरक्षित नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं अभी आपके पूर्व बंधकों से मिला हूँ जिनकी जिंदगियाँ आपने नष्ट कर दी हैं। यह आपकी आखिरी चेतावनी है! नेतृत्व के लिए, अब गाजा छोड़ने का समय आ गया है, जबकि आपके पास अभी भी मौका है। इसके अलावा, गाजा के लोगों के लिए एक सुंदर भविष्य इंतजार कर रहा है, लेकिन तब नहीं जब आपने बंधक बना लिया हो। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप मर चुके हैं! विशेष रूप से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 1997 से हमास को एक विदेशी आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया है, और अपनी नीति के हिस्से के रूप में, वह इन संस्थाओं के साथ बातचीत में शामिल नहीं होता है – हालांकि तालिबान के अपवाद के साथ, जिसके साथ ओबामा और ट्रम्प प्रशासन दोनों ने बातचीत की थी।

लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग किए जाने की निंदा करते हैं

जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान सुरक्षा चूक पर एमईए की दो टूक

विदेश मंत्री एस जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान सुरक्षा उल्लंघन पर विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को प्रतिक्रिया व्यक्त की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने भड़काऊ गतिविधियों की निंदा की। खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों के एक समूह ने लंदन में चौथम हाउस के बाहर प्रदर्शन किया, जहां जयशंकर बुधवार शाम श्दुनिया में भारत का उदय और भूमिकाश नामक सत्र में भाग ले रहे थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा संबंधी चूक की घटना के फुटेज देखे हैं।'' जायसवाल ने कहा कि हम अलगाववादियों और चरमपंथियों के इस छोटे समूह की, उकसावे वाली गतिविधियों की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसे तत्वों द्वारा लोकतांत्रिक स्वतंत्रता

का दुरुपयोग किए जाने की निंदा करते हैं। हम अपेक्षा करते हैं कि ऐसे मामलों में मेजबान सरकार अपने कूटनीतिक दायित्वों का पूरी तरह से पालन करेगी। जयशंकर ने बुधवार को सत्र को संबोधित करते हुए अंतरराष्ट्रीय महत्व के कई विषयों पर बात की। जब जयशंकर से ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ पर उनके विचारों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ष्हम एक राष्ट्रपति और एक प्रशासन देखते हैं, जो हमारी भाषा में, बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है, और यह कुछ ऐसा है जो भारत के लिए उपयुक्त है।ष टैरिफ के विशिष्ट मुद्दे पर, मंत्री ने कहा कि पिछले महीने व्हाइट हाउस में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रम्प के बीच चर्चा के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा करने के लिए वर्तमान में वाशिंगटन में हैं।

दक्षिण कोरियाई लड़ाकू विमान ने गलती से बम गिराए, आठ लोग घायल

दक्षिण कोरिया के दो लड़ाकू विमानों ने अमेरिकी सेना के साथ बृहस्पतिवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान एक असैन्य क्षेत्र पर गलती से आठ बम गिरा दिए जिससे आठ लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वायु सेना ने एक बयान में बताया कि केएफ–16 लड़ाकू विमानों द्वारा गिराए गए एमके–82 बम 'फायरिंग रेंज' (बमबारी के लिए निर्धारित क्षेत्र) के बाहर गिरे, जिससे असैन्य क्षति हुई। वायुसेना ने कहा कि वह दुर्घटना के कारणों की जांच करने और आम नागरिकों को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए एक समिति गठित करेगी। उसने कहा कि लड़ाकू विमान अमेरिकी सेना के साथ एक दिवसीय गोलाबारी अभ्यास में हिस्सा ले रहे थे। एक वायुसेना अधिकारी ने स्थानीय पत्रकारों को बताया कि एक केएफ–16 के पायलट ने बमबारी स्थल के लिए गलत जानकारी डाल दी। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी पत्रकारों को बताया कि यह पता लगाने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है कि दूसरे केएफ–16 विमान ने भी असैन्य क्षेत्र पर बम क्यों गिराए। वायुसेना ने इस घटना के लिए माफी मांगी और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उसने कहा कि वह पीड़ितों को मुआवजा देगी और अन्य आवश्यक कदम उठाएगी। यह दुर्घटना पोचियन शहर में हुई, जो उत्तर कोरिया की सीमा के करीब है। पोचियन के मेयर पेक यंग–ह्यून ने टेलीविजन पर प्रसारित संवाददाता सम्मेलन के दौरान इन बम विस्फोटों को ''भयानक'' बताया और सेना से शहर में तब तक सैन्य अभ्यास रोकने का आग्रह किया, जब तक कि वह इन प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विश्वसनीय कदम नहीं उठा लेती। उन्होंने कहा कि 1,40,000 लोगों की आबादी वाले पोचियन शहर में दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाओं के लिए तीन प्रमुख 'फायरिंग रेंज' हैं। सेना ने बाद में कहा कि उसने पूरे दक्षिण कोरिया में गोलाबारी के जरिए किए जाने वाले सभी सैन्य अभ्यासों को स्थगित करने का फैसला किया है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि बृहस्पतिवार की दुर्घटना का सही कारण जानने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने के बाद अभ्यास को बहाल किया जाएगा। पोचियन के आपदा प्रतिक्रिया विभाग ने कहा कि छह आम नागरिक एवं दो सैनिक घायल हुए हैं और उनका अस्पतालों में इलाज जारी है। विभाग ने बताया कि घायलों में से चार आम नागरिकों की हालत गंभीर है और गंभीर रूप से घायल लोगों मेंथाईलैंड और म्यांमा के दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

अमेरिका ने व्यापक साइबर जासूसी अभियान में चीनी हैकरों, चीन के अधिकारियों को आरोपित किया

अमेरिका के न्याय विभाग ने बुधवार को घोषणा की कि समाचार संगठनों और अमेरिकी एजेंसियों को निशाना बनाते हुए चलाए गये वैश्विक साइबर जासूसी अभियान के सिलसिले में एक चीनी हैकिंग कंपनी के आठ नेताओं या सदस्यों के साथ–साथ दो चीनी अधिकारी आरोपित किये गये हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार कुछ नए आपराधिक मामलों से चीन में हैकिंग के लिए भर्ती करने/सेवा लेने संबंधी पारितंत्र के बारे में नई जानकारी सामने आयी। इस व्यवस्था में चीन सरकार उन निकायों को निशाना बनाने के लिए निजी कंपनियों एवं ठेकेदारों को भुगतान करती है जिनमें उसकी (चीन की) खास रूचि होती है। एक अभ्यारोपण में 'आई–सून' नामक एक निजी हैकिंग कंपनी के अधिकारियों को आरोपित किया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस कंपनी के अधिकारियों ने दुनिया भर में व्यापक स्तर पर साइबर उल्लंघनों को अंजाम दिया जो एक व्यापक खुफिया जानकारी जुटाने का अभियान था। चीन के दो कानून प्रवर्तन अधिकारी भी आरोपित किये गये हैं। अभ्यारोपण में कहा गया कि अन्य मामलों में हैकरों ने खुद ही हैकिंग की और उसके बाद चुरायी गयी सूचना सरकार को बेचने की चेष्टा की। अधिकारियों ने दावा किया कि इस हैकिंग कंपनी ने सफलतापूर्वक हैक किए गए प्रत्येक 'ईमेल इनबॉक्स' के लिए सरकार से लगभग 10,000 से 75,000 अमेरिकी डॉलर के बराबर राशि वसूली। जिन निकायों को हैकिंग के दौरान निशाना बनाया है उनमें अमेरिका वित्त विभाग शामिल था। अमेरिकी वित्त विभाग ने पिछले साल के आखिरी में खुलासा किया था कि चीनी हैकरों ने उसे निशाना बनाया था। वित्त विभाग ने इसे 'बड़ी साइबर सुरक्षा संबंधी घटना' बताया। चीनी कॉर्पोरेट रजिस्ट्री में आई–सून के लिए सूचीबद्ध फोन नंबरों पर संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 'आई–सून' के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के लिए एपी द्वारा भेजे गए ईमेल का भी तत्काल कोई जवाब नहीं दिया।

चीन की धमकी पर अमेरिका का पलटवार, वाशिंगटन ने कहा– युद्ध के लिए हम भी हैं तैयार

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के संकेत के रूप में, अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के साथ युद्ध के लिए तैयार है। यह घटनाक्रम तब हुआ जब बीजिंग ने अमेरिका को चेतावनी दी कि वह किसी भी युद्ध से लड़ने के लिए तैयार है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो या कोई अन्य युद्ध। तीखी प्रतिक्रिया में, हेगसेथ ने कहा, हम तैयार हैं। जो लोग शांति चाहते हैं उन्हें युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस बात पर जोर देते

हुए कि संघर्ष को रोकने के लिए सैन्य ताकत महत्वपूर्ण है, हेगसेथ ने कहा, इसलिए हम अपनी सेना का पुनर्निर्माण कर रहे हैं। अगर हम चीनियों या अन्य लोगों के साथ युद्ध को रोकना चाहते हैं, तो हमें मजबूत होना होगा, और राष्ट्रपति समझते हैं कि शांति ताकत के माध्यम से आती है। अमेरिकी रक्षा सचिव ने चीनी सेना में विस्तार को भी रेखांकित किया, उन्होंने कहा कि बीजिंग तेजी से अपने रक्षा खर्च और आधुनिक तकनीक को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, ष्वे (चीन) संयुक्त राज्य अमेरिका का स्थान लेना चाहते हैं। इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने एक पोस्ट में कहा था कि वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध लड़ने के लिए तैयार है, चाहे वह टैरिफ वॉर हो या कोई अन्य युद्ध। मंत्रालय ने अमेरिका पर चीन से आयात पर शुल्क बढ़ाने के लिए फेंटेनाइल को मामूली बहाना के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। विदेश मंत्रालय का दावा है कि फेंटेनल संकट के लिए अमेरिका खुद जिम्मेदार है, जबकि चीन ने इस मुद्दे से निपटने में अमेरिका की सहायता के लिए मजबूत कदम उठाए हैं।

अब यूक्रेन को सीक्रेट इनपुट्स नहीं देगा अमेरिका, डोनाल्ड ट्रंप ने ज़ेलेंस्की को दिया एक और बड़ा झटका

संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना अस्थायी रूप से रोक दिया है, जिससे महत्वपूर्ण जानकारी का प्रवाह बाधित हो गया है जो रूसी सेनाओं के खिलाफ कीव की रक्षा में सहायक रही है। यह राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा विनाशकारी ओवल कार्यालय की बैठक के कुछ दिनों बाद यूक्रेन को अमेरिकी सहायता को श्रोकनेश का निर्देश देने के कुछ दिनों बाद आया है क्योंकि वह रूस के साथ शांति वार्ता में शामिल होने के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की पर दबाव डालना चाहते हैं। यह निलंबन यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की की शांति प्रक्रिया के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में राष्ट्रपति ट्रम्प की चिंताओं से उपजा है। सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने बताया कि इस विराम का उद्देश्य कीव को मास्को के साथ बातचीत में अधिक ईमानदारी से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। रैटक्लिफ ने इस उपाय की अस्थायी प्रकृति के बारे में आशावाद व्यक्त करते हुए कहा, ष्मुझे लगता है कि हम यूक्रेन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे, ताकि वहां मौजूद आक्रामकता को पीछे धकेला जा सके। कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे।

संक्षिप्त

'पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम हूं, भारत में टॉर्चर करेंगे...', प्रत्यर्पण से बचने के लिए तहव्वुर राणा की नई चाल

मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा ने भारत में अपने प्रत्यर्पण पर आपातकालीन रोक लगाने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार अपने आवेदन में राणा ने कहा कि भारत में उसे प्रताड़ित किए जाने की बहुत अधिक संभावना है क्योंकि वह पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है। 63 साल के तहव्वुर राणा फिलहाल लॉस एंजेलिस की जेल में बंद हैं। वह लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी डेविड हेडली से

जुड़ा हुआ माना जाता है, जो मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक था जिसमें 166 लोग मारे गए थे। अपनी याचिका में, राणा ने कहा कि वह कई बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें उन्नत हृदय धमनीविस्फार, संज्ञानात्मक गिरावट के साथ पार्किंसंस और संभावित मूत्राशय कैंसर शामिल हैं। राणा के वकीलों ने तर्क दिया कि वह मुकदमे का सामना करने के लिए लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाएंगे। राणा की कानूनी टीम ने आगे कहा कि उसे ष्हॉर्नेट्स घोंसलेष में नहीं भेजा जा सकता जहां उसे ष्राष्ट्रीय, धार्मिक और सांस्कृतिक दुश्मनी का लक्ष्यष बताया जाएगा। आवेदन में 2023 ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट का हवाला दिया गया है जिसमें भारत में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों के साथ व्यवस्थित भेदभाव और कलंक लगाने का आरोप लगाया गया है। भारत ने इस रिपोर्ट को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। आवेदन में आगे कहा गया है कि भारत सरकार ष्तेजी से निरंकुशष हो रही है, यह तर्क देते हुए कि राणा के निष्पक्ष परीक्षण का अधिकार खतरे में पड़ जाएगा। भारत ने कहा कि वह मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के जल्द प्रत्यर्पण के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने 21 जनवरी को राणा की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी, जिससे उसके भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम अब मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी को शीघ्र भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रक्रियागत मुद्दों पर अमेरिकी पक्ष के साथ काम कर रहे हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विस्फोट में पांच की मौत

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक बाजार में विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक खुजदार के नाल बाजार में खड़ी एक मोटरसाइकिल में आईईडी लगा दी गयी थी जिसमें विस्फोट हुआ। नाल थाने के प्रभारी बहावल खान पिंडरानी ने मीडिया से बातचीत में लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। जिला स्वास्थ्य अधिकारी रफीक ससोली ने बताया कि दो घायलों की स्थिति गंभीर है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुग्ती ने एक बयान में इस विस्फोट की कड़ी निंदा की।

पोप ने शारीरिक गतिविधियां बढ़ायीं, लेंट की शुरुआत मनायी

पोप फ्रांसिस ने बुधवार को अपनी शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दीं, गाजा के कैथलिक पैरिश पादरी से भेंट की और माथे पर राख लगाकर लेंट की शुरुआत मनाई। वेटिकन ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि पोप ने आज सांस संबंधी कोई बड़ी दिक्कत नहीं बताई और वह नासिका ट्यूब के जरिए ऑक्सीजन ग्रहण

करते रहे। पोप फ्रांसिस रात में फिर से 'नॉन इन्वेसिव यांत्रिक मास्क' लगाएंगे। आज उनकी स्थिति स्थिर बनी रही। सुबह उन्होंने 'एश वेडनेसडे' उत्सव में भाग लिया, राख प्राप्त की। बाद में उन्होंने काम करना शुरू किया, जिसमें अर्जेंटीना के पादरी रेव. गेब्रियल रोमनेली से बात करना शामिल है। ग्रेबियल गाजा में होली फैमिली चर्च के पैरिश पादरी हैं।

एंकोरेज के समीप हिमस्खलन में कई स्कीयर फंसे

अमेरिका में अलास्का के एक दूरदराज के क्षेत्र में हिमस्खलन के कारण कई 'स्कीयर' (स्की करने वाले) फंस गए हैं। अलास्का स्टेट ट्रूपर्स ने बुधवार को यह जानकारी दी। फंसे हुए 'स्कीयर' की संख्या एवं स्थिति का तत्काल पता नहीं चल पाया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पिटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।